ज्ञानामृत

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।

▶▶ स्वामी ज्ञानानंद

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शुक्रवार, 27 जून 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 193 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

भारतीय बाजार रहा गुलजार, सेंसेक्स ने लगाई 1000 अंकों की छलांग, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बढ़ते आशावाद के बीच भारतीय बाजारों में मजबूती दिखी। गुरुवार को बाजार में भारी वजन रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे बढ़कर 85.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,000.36 अंक या 1.21 प्रतिशत चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,056.58 अंक या 1.27 प्रतिशत बढ़कर 83,812.09 अंक पर पहुंच गया।

संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़, 11 जुलाई को होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर एक साथ चुनाव कराने से जुड़े विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने गुरुवार को दी। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की अगली बैठक 11 जुलाई को निर्धारित की गई है। उसी दिन पैनल के सदस्य दोनों सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों के साथ बातचीत करेंगे। इसके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व राज्यसभा सांसद ई एम सुधर्शन नच्चियप्पन और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम वीरप्पा मोइली भी समिति के समक्ष अपने विचार साझा करेंगे।

एसएससी ने भर्तियों को तेज और सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की ई-डॉसियर सुविधा, डिजिटल इंडिया को बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए कर्मचारी चयन आयोग (स्स्ष्ट) ने भर्ती प्रि या को पूरी तरह डिजिटल बना दिया है। अब चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेज यानी डॉसियर फिजिकल फॉर्म में नहीं बल्कि ई-डॉसियर के रूप में संबंधित मंत्रालयों और विभागों को भेजे जा रहे हैं। यह पूरी प्रि या स्स्ष्ट के 'ई-डॉसियर पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन की जा रही है। स्स्ष्ट विभिन्न परीक्षाओं में सफल उम्मीदवारों के दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संकलित करता है और मंत्रालयों व विभागों के नोडल अधिकारियों के लिए उन्हें पोर्टल पर उपलब्ध कराता है।

अमेरिका में एंट्री चाहिए तो दिखाना होगा सोशल मीडिया हैंडल, जानकारी छिपाई तो वीजा हो सकता है रिजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने वीजा सुरक्षा प्रक्रिया को और सख्त करते हुए एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत वीजा के लिए आवेदन करने वालों को अब अपने पिछले पांच वर्षों के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के यूजरनेम या हैंडल्स बताने होंगे। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को इस बाबत जानकारी साझा करते हुए कहा कि यदि कोई आवेदक सोशल मीडिया की जानकारी छुपाता है, तो उसका वीजा न सिर्फ रिजेक्ट हो सकता है बल्कि भविष्य में भी वीजा के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। दूतावास ने अपने आधिकारिक ' (पहले ट्विटर) अकाउंट पर कहा, "वीजा आवेदकों को ष्ठस्-160 फॉर्म में पिछले पांच वर्षों के सोशल मीडिया हैंडल्स बताने होंगे। आवेदन करने से पहले वे यह प्रमाणित करते हैं कि दी गई जानकारी सत्य और पूर्ण है।" 23 जून को अमेरिकी दूतावास ने स्टूडेंट व एक्सचेंज वीजा के आवेदकों से यह भी कहा कि वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को 'पब्लिक' रखें, ताकि उनकी पहचान और पात्रता की जांच सही तरीके से हो सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंस से कलेक्टर्स सहित वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री मोहन ने दिए निर्देश

त्यौहारों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, सजग और संवेदनशील रहें अधिकारी

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले दो माह के प्रमुख त्यौहारों पर धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नागरिकों के हित में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशील और सजग होकर दायित्व पूरा करें। वर्षाकाल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए। किसानों के लिए खाद और बीज की समुचित व्यवस्था रहे। नए शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों, क्लेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि इस माह 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। वर्षाकाल में आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्रदेश में एक से 26 जून तक हुई वर्षा 37 प्रतिशत अधिक है। अलीराजपुर और नीमच जिलों में सर्वाधिक वर्षा हुई है। अधिक वर्षा के अनुमान को देखते हुए रपटे और पुल आदि जहां पानी ऊपर से बह रहा है वहां बेरीकेड्स लगाए जाएं। नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वर्षाकाल में नाले और नालियां समस्या बन रहे हों तो तत्परतापूर्वक समाधान का कार्य किया जाए। बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में मुनादी, वाट्सएप, दूरभाष आदि का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुंचाई जाए। इस संबंध में संवेदनशील होकर समय पर सभी दायित्व अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरे किए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को मिलें पाठ्यपुस्तकें... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर्स यह देखें कि इस कार्य में लापरवाही न हो। किसी दुकान विशेष से महंगी दर पर कापी-किताब खरीदने को विवश न किया जाए। शीघ्र ही सांदीपनि विद्यालियों सहित अन्य विद्यालयों के लिए निर्मित नए कक्षों और सुविधाओं को लोकार्पित कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए। यह कार्य मिशन मोड पर किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लगभग 85 प्रतिशत नामांकन हुए हैं। शत-प्रतिशत नामांकन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पदोन्नतियों के लिए कार्यवाही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नौ वर्ष के बाद अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के महत्वपूर्ण निर्णय के प्रकाश में विभागों द्वारा समय-सीमा में सभी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम एवं समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए। एनीमिया नियंत्रण के लिए बहुआयामी प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल्याणकारी योजनाओं के रि यान्वयन पर भी कलेक्टर्स से चर्चा कर निर्देश दिए।

सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकें... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वर्तमान में सर्पदंश से नागरिकों को बचाने की जो व्यवस्थाएं हैं, उनका विस्तार करते हुए पंचायतों और थानों के स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। सर्पदंश से बचाव और उपचार का प्रशिक्षण देने की प्रदेश में शुरूआत हुई है, जो सराहनीय है। इस कार्य को निरंतर किया जाए। संभव हो तो कालबेलिया समुदाय के युवाओं को भी इस कार्य में अधिक दक्ष बनाकर उनकी सेवाएं ली जाएं। इन प्रयासों से वर्षाकाल में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों को बेहतर तरीके से बचाया जा सकता है।

कानून व्यवस्था... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे। सामान्य घटनाओं पर भी अनावश्यक मुद्दा बनाने और जिन प्रकरणों में कार्यवाही हो गई है उनको लेकर विवाद की स्थिति निर्मित करने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। प्रदेश में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अच्छा हुआ है, इसके लिए सुरक्षा बल और उनके जवान बधाई के पात्र हैं।

श्रावण मास में सवारियों और यात्राओं के लिए करें जरूरी व्यवस्थाएं... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कांफ्रेंस में कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि आगामी दो महीनों में विभिन्न त्यौहारों पर जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। ओंकारेश्वर, उज्जैन और मंदसौर में श्रावण मास में सवारियों और कावड़ यात्रियों के आवागमन को देखते हुए जरूरी प्रबंध किए जाएं। जनजातीय कलाकारों और पुलिस बैंड के माध्यम से कार्यर्‍ मों को आकर्षक बनाया जाए। गत वर्ष इस नवाचार को आमजनता ने भी सराहा था इस वर्ष भी ऐसी ही व्यवस्था कीजाए।

किसान कल्याण... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद, उर्वरक और बीज की व्यवस्था और आपूर्ति रखी जाए। इन वस्तुओं की किसी भी स्थिति में कालाबाजारी नहीं होना चाहिए। दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

खतरे के निशान से सिर्फ 3 मीटर नीचे बह रही क्वारी, चंबल-सिंध भी उफान पर

विजय मत, ब्यूरो ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल अंचल में पिछले दिनों बारिश के बाद जिले की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। 24 घंटे में क्वारी नदी खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे बह रही है। वहीं चंबल 6.15 मीटर और सिंध नदी 8.67 मीटर नीचे बह रही है। बता दें कि नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने आसपास रह रहे ग्रामीणों को अलर्ट किया है। साथ ही एसडीईआरएफ और होमगार्ड सहित सुरक्षाबल अलर्ट कर दिया है। सिंध नदी किनारे के भिंड के मड़नई, जखमौली, खेराश्यामपुरा, ककहरा और टेहनगुर गांव में बाढ़ का खतरा रहता है। मेहगांव के सांदुरी, बझरौली, बछरेटा, बरैठीखुर्द, बरैठीराज, खेरिया सिंध और कछार। रौन के इंदुर्खी, कोंध की मढ़ैया, निबसाई, महायर, रेंवजा, मोहदा, पढ़ौरा, दोहई, हिलगवां। लहार के लिलवारी, लगदुआ, बरहा, केशवगढ़, अजनार, रोहानीसिंग पुरा, मड़ोरी और सिजरौली चंबल नदी किनारे के भिंड के ज्ञानपुरा और बरही। अटेर के मुकुटपुरा, कछपुरा, खेराहट, नावली वृंदावन, मघेरा का दिन्नपुरा, नखलौली की मढ़ैया, कोषण की मढ़ैया, चिलोंगा, रमा का कोट, तरसोखर, नावलीहार, आकौन, अहरौली काली, गड़ेर, चौम्हो, सूरजपुरा, विंडवा, कनैरा गांव में बाढ़ आने का खतरा रहता है। क्वारी नदी किनारे के भिंड के बघेड़ी, ईगुरी, बगुलरी, कचोंगरा, परसोना, मिरचौली, बझाई का गुवरिहाई, रमपुरा का नागौर। गोरमी के हरीक्षा, सिकरौदा, परोसा, सुकांड, आरोली, खेरा, कुटरोली, कचनावखुर्द, चंदेनी।

भाषा पर रार को लेकर गृह मंत्री अमित शाह बोले

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त, विदेशी का विरोध न हो

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। शाह ने कहा कि किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ अभिव्यक्त करने की भावना को प्रोत्साहित करना चाहिए।

देश का सांस्कृतिक आत्मगौरव भाषाओं से जुड़ा है

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा को लेकर अमित शाह ने कहा, भाषाएं मिलकर देश के सांस्कृतिक आत्मगौरव को ऊंचाई तक ले जा सकती हैं। उन्होंने मानसिक गुलामी की भावना से मुक्ति पाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व महसूस नहीं करता और खुद को उसी भाषा में अभिव्यक्त नहीं करता, तब तक वह पूरी तरह आजाद नहीं हो सकता। गृह मंत्री ने कहा, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा होती है।

1 जुलाई से डिजिटल टिकटिंग के लिए पीआरएस प्रणाली में बदलाव

आगरा, एजेंसी। रेलवे ने टिकट कराने में तेजी, पारदर्शिता और डिजिटल टिकटिंग के अनुभव के लिए यात्री आरक्षण (पीआरएस) प्रणाली में बदलाव किया है। इसमें नेक्स्ट जनरेशन पीआरएस प्रणाली और ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) लागू किया गया है। आगरा मंडल के आगरा कैंट और मथुरा जंक्शन पर 112 ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट लगाई गई हैं। इनमें 91 यूटीएस ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट व 21 पीआरएस ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट हैं।

पदोन्नति की कार्यवाही समय-सीमा में करें

सभी विभाग पदोन्नति कार्य को दें सर्वोच्च प्राथमिकता: जैन

विजय मत, भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत पदोन्नति कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। यह प्रयास किया जाये कि 31 जुलाई 2025 तक अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नत किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप कर्मचारी-कल्याण को प्रमुखता से लें। मुख्य सचिव श्री जैन ने गुरूवार को मंत्रालय मंव लोकसेवा पदोन्नति नियम-2025 के परिचर्चा के दौरान यह निर्देश विभाग प्रमुखों को दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि 9 साल की बड़ी समस्या इस नियम के लागू होने से समाप्त हो सकेगी।

नियमों को बनाने में वरिष्ठ सचिव समिति एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बहुत मेहनत एवं गहन चर्चा की। नियमों के लागू होने से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी।

कर्मचारी कल्याण को दें प्राथमिकता

मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि अपने विभाग में कर्मचारी-कल्याण को प्राथमिकता दी जाये। विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठकें आयोजित की जाये। कर्मचारियों के गोपनीय प्रतिवेदन, विभागीय जाँच एवं पेंशन प्रकरणों का निराकरण समय से करें।

चीन में एससीओ समिट के दौरान भड़के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

घोषणा-पत्र में नहीं था पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, साइन करने से किया साफ इनकार

शंघाई, एजेंसी

चीन के किंगदाओ में गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की। उन्होंने एससीओ के जॉइंट स्टेटमेंट पर साइन करने से भी इनकार कर दिया। क्योंकि उसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुई आतंकी घटना का जिक्र था। भारत ने इससे नाराजगी जाहिर की। राजनाथ सिंह ने बैठक में कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं। वे आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। विदेश मंत्रालय बोला- एक खास देश को भारत की बात मंजूर नहीं थी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की दो दिन चली बैठक में सभी देश एक साथ मिलकर साझा बयान पर सहमत नहीं हो सके, इसलिए उस दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

सीजेआई बोले | संसद के पास है संशोधन की शक्ति

संसद नहीं, संविधान सबसे ऊपर लोकतंत्र के तीनों हिस्से इसके अधीन

अमरावती, एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। सीजेआई गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है।

जब कोई आपको जीडीपी के आंकड़े बताए, तो उन्हें अपने घरेलू बजट की सच्चाई दिखाएं: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को घरों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए कहा कि अगली बार जब कोई आपको सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बताए, तो उन्हें अपने घरेलू बजट के बारे में सच्चाई दिखाएं। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में आय के हिसाब से शीर्ष 5 प्रतिशत शहरी परिवारों को भी मुंबई में घर खरीदने के लिए 100 वर्षों से अधिक की बचत करनी पड़ेगी। गांधी ने कहा, ÷हां, आपने सही पढ़ा - और यदि आपको विश्वास नहीं हो रहा है, तो मैं इसे दोहराता हूं मुंबई में घर खरीदने के लिए, भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी अपनी आय का 30 प्रतिशत 109 वर्षों तक बचाना होगा! उन्होंने अपने व्हाट्सएप चैनल पर हिंदी में लिखे पोस्ट में कहा, यही हाल है ज्यादातर बड़े शहरों का, जहां आप अवसरों और सफलता की तलाश में कड़ी मेहनत करते हैं। और, इतनी बचत कहां से आएगी? लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग को विरासत में धन नहीं, बल्कि जिम्मेदारियां मिलती हैं - बच्चों की महंगी शिक्षा, महंगे इलाज की चिंता, माता-पिता की जिम्मेदारी या परिवार के लिए एक छोटी कार। गांधी ने कहा, अभी भी दिलों में एक सपना है - एक दिन हमारा अपना घर होगा! लेकिन जब वह एक दिन अमीरों के लिए भी 109 साल दूर हो, तो समझ लीजिए कि गरीबों को उनके सपनों के अधिकार से वंचित कर दिया गया है।

विजय मत एंकर प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन ने कहा-

हमारी सांस्कृतिक पहचान और भारतीय जीवनशैली की आत्मा है लोकतंत्र

मुख्यमंत्री ने की 70 पार योद्धाओं को आयुष्मान व एयर एम्बुलेंस की सुविधा देने की घोषणा

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि भारतीय जीवनशैली की आत्मा और हमारी सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता की रग-रग में रचा-बसा है और इसकी जड़ें हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं में गहराई से जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को अपने निवास पर आयोजित प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आपातकाल के काले दौर को याद करते हुए कहा कि 25 जून 1975 की रात को लागू किया गया आपातकाल न केवल लोकतंत्र की हत्या थी, बल्कि भारत के संवैधानिक मूल्यों का भी अपमान था। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को उस समय के तानाशाही शासन और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष से परिचित कराना आवश्यक है।

'मीसा पत्रिका' और 'इमरजेंसी डायरी' का विमोचन

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव, कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, और म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष अशोक कड़ेल द्वारा 'मीसा पत्रिका' और आपातकाल की घटनाओं पर आधारित 'इमरजेंसी डायरी' का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी लोकतंत्र सेनानियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया और निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में प्रभारी मंत्री लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित करें।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच हुआ एमओयू

मध्यप्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाओं से खुलेंगे उन्नति के नए द्वार : राजेन्द्र शुक्ल

- म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के भव्य रोड शो का लखनऊ में समापन
- पर्यटन व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स और होटल कारोबारी हुए शामिल
- पर्यटन मंत्री लोधी ने कराया पर्यटन विशेषताओं से अवगत

विजय मत, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास, पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देकर सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से आज मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में असीम क्षमता और निवेश का आकर्षक क्षेत्र बन गया है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल लखनऊ के होटल ताज महल में पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में तीव्र गति से विकास 3 क्रांतियों से होता है। औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति। इन तीनों क्रांतियों से स्वरोजगार और रोज़गार के अवसर सृजित होते हैं। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश दोनों प्रदेश इन तीनों क्रांतियो के लिये सबसे उपयुक्त प्रदेश हैं।

उत्तरप्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश का सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव रहा है। हमारे रीति-रिवाज, त्यौहार, खान-पान, रिश्ते-नाते एक जैसे हैं। माँ गंगा से माँ नर्मदा तक की यह यात्रा न केवल पर्यटकों को सुखद अनुभूति प्रदान करेगी बल्कि दोनों प्रदेश के संबंधों को भी प्रगाढ़ करेगी।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है।

हितधारकों ने किया मंथन

उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के ट्रेवल ऑपरेटर्स, होटल व्यवसायियों और टूरिज़्म स्टेकहोल्डर्स के बीच द्विपक्षीय संवाद और व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह सत्र न केवल क्षेत्रीय पर्यटन के विकास के लिए बल्कि राष्ट्रीय पर्यटन समृद्धि के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

उत्तरप्रदेश से मध्यप्रदेश की सहज कनेक्टिविटी

उत्तरप्रदेश से मध्यप्रदेश की यात्रा पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक हो गई है। उत्तरप्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, वाराणसी, आगरा, कानपुर और प्रयागराज मध्यप्रदेश के ग्वालियर, खजुराहो, भोपाल, इंदौर और जबलपुर से हवाई यात्रा सुलभ है। इसके साथ ही रेल मार्ग से रीवा, ओरछा, ग्वालियर खजुराहो जुड़े हुए हैं। मध्यप्रदेश पहुंचने के बाद पर्यटकों के लिए मजबूत और सुगम सड़क नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है, जिससे राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सरल एवं कम समय में सुविधापूर्वक यात्रा की जा सकती है।

गंगा-नर्मदा कॉरिडोर से खुलेगी पर्यटन की नई राह... *प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के पर्यटन में काफी समानता है। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रृद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। दोनों ही ज्योर्तिलिंग को जोड़ने के लिये काशी विश्वनाथ महाकाल एक्सप्रेस संचालित होती है। गंगा और नर्मदा पर्यटन कॉरिडोर प्रस्तावित परियोजना के तहत मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर से गुजरने वाले इस गलियारे में दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग को बढ़ावा के साथ पर्यटकों को एक समृद्ध और विविध अनुभव मिलेगा। धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और विरासत पर्यटन को आकर्षित करने में सहयोग भी प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावे के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया।*

एमपी राइज 2025: औद्योगिक विकास कौशल और रोजगार का होगा संगम

- प्रदेश के विकास को गति देने आज रतलाम में होगा समागम
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव देंगे निवेश परियोजनाओं की सौगात
- प्रदेश के युवा उद्यमियों से करेंगे संवाद

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन को समर्पित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन 27 जून को रतलाम में होने जा रहा है। यह आयोजन प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता संवर्धन और आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की सिद्धि की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। एमपी राईज 2025 आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को दिशा देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर रतलाम में एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे तथा रीवा, सागर, अलीराजपुर और पीथमपुर में रोजगारमूलक औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। इस कॉन्क्लेव की थीम सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियो को आशय पत्रों का वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियों को भूमि आवंटन और निवेश परियोजनाओं के लिए आशय पत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री चयनित जिलों के हितग्राहियों से संवाद करेंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बैंकों को सम्मानित भी करेंगे।

16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण

कॉन्क्लेव में 243 करोड़ रुपये लागत के 16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण किया जाएगा। दो लाख से अधिक हितग्राहियों को 2400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की जाएगी।

वॉलमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू

एमएसएमई विभाग और वॉलमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू किए जाएंगे। साथ ही 2,850 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के आशय पत्र जारी होंगे, जिनसे 5450 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। कॉन्क्लेव में 2500 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें एमएसएमई उद्यमी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षित युवा, विभागीय अधिकारी और निवेशक शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर कॉन्क्लेव में लगाई जा रही प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। प्रदर्शनी में स्व-रोजगार और उद्यमिता से संबंधित सफलताओं की प्रेरक कहानियां, ओडीओपी/जीआई उत्पादों, एमएसएमई इकाइयों और नवाचार आधारित 100 से अधिक स्टॉल्स होंगे। कॉन्क्लेव के अंतर्गत तीन थीमेटिक सत्र होंगे जिनमें निवेश नीति, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास पर चर्चा की जाएगी।

न्यूज इन शॉर्ट

पंचायत उप निर्वाचन के लिये मतदान 22 जुलाई को, निर्वाचन कार्यक्रम घोषित

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 22 जुलाई को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य एक जुलाई से प्रारंभ होगा। नाम निर्देशन पत्र 8 जुलाई तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 9 जुलाई को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 11 जुलाई है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जायेगा। मतदान 22 जुलाई को सुबह से 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतदान केन्द्र पर ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद 22 जुलाई को ही मतगणना होगी। सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य की विकासखंड मुख्यालय पर मतगणना होगी एवं परिणाम की घोषणा 26 जुलाई को सुबह 8 बजे से होगी। पंच पद की मतदान केन्द्र पर की गई मतगणना का सारणीकरण तथा निर्वाचन परिणाम की घोषणा 29 जुलाई को होगी। उप निर्वाचन में 3983 पंच, 64 सरपंच और 11 जनपद पंचायत सदस्यों के लिये मतदान होगा।

संस्कृत विद्यालयों के परीक्षा परिणाम घोषित

भोपाल। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदेश में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्कृत विद्यालयों के कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम गुरूवार को भोपाल के महर्षि पतंजलि संस्थान के निदेशक पी.आर. तिवारी द्वारा घोषित किये गये। संस्कृत माध्यमकी कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय (गार्गी) भोपाल की छात्रा कुमारी शिखा धनगर और सद्गुरू संकल्प संस्कृत विद्यालय लटेरी जिला विदिशा के छात्र हरि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से समान अंक प्राप्त करते हुए प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय (गार्गी) भोपाल की छात्रा कुमारी सलोनी चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। संस्कृत माध्यम की कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय भोपाल ने पुन: अपनी श्रेष्ठता कायम की है। परीक्षा परिणाम संस्थान के पोर्टल mpss.digivarsity.online पर प्रदर्शित किये गये हैं। विद्यार्थी अपना रोल नम्बर अंकित कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं और ई-अंकसूची प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये जल्द ही द्वितीय परीक्षा आयोजित की जायेगी। द्वितीय परीक्षा की समय सारणी संस्थान द्वारा शीघ्र घोषित की जायेगी।

वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा मॉडल

भोपाल। वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन के कार्य में देश में मध्यप्रदेश मॉडल बनकर उभर रहा है। प्रदेश में वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 15003 वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। पहले स्तर पर वक़्फ बोर्ड द्वारा डिजिटलाइजेशन के कार्य का वेरिफिकेशन कर लिया गया है। दूसरे स्तर पर राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। अब तक कुल डिजिटलाइजेशन सम्पत्तियों में से 2425 सम्पत्तियों का वेरिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। प्रदेश में सर्वाधिक वक़्फ सम्पत्तियों वाले 11 जिलों में कुल वक़्फ सम्पत्तियों और डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि उज्जैन, विदिशा, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, बुरहानपुर, देवास और मंदसौर जिलों की सभी वक़्फ सम्पत्तियों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। इनमें उज्जैन जिले की 1054, विदिशा जिले की 929, भोपाल जिले की 816, शाजापुर की 801, सीहोर की 699, रायसेन की 665, इंदौर की 645, धार की 638, बुरहानपुर की 573, देवास की 572 और मंदसौर जिले की 528 वक़्फ सम्पत्तियाँ शामिल हैं। मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार की अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिये संचालित प्रधानमंत्री जन-विकास कार्यक्रम की सभी 7 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है।

कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में दो दिवसीय कालिदास प्रसंग का हुआ शुभारंभ

महाकवि कालिदास का मंदसौर एवं उज्जैन से गहरा एवं भावनात्मक संबंध रहा: देवड़ा

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि महाकवि कालिदास का मंदसौर एवं उज्जैन से गहरा एवं भावनात्मक संबंध रहा है। महाकवि कालिदास ने महाकाल और अष्ट-मुखी भगवान पशुपतिनाथ का वर्णन किया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में दो दिवसीय कालिदास प्रसंग आयोजन में गुरुवार को हुए शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि यह संस्कृति और परंपराओं का आयोजन है। इसमें अधिक से अधिक लोग जुड़ें और भारतीय संस्कृति को जानें। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने सरस्वती पूजन के साथ आयोजन का शुभारंभ किया। कालिदास प्रसंग का यह आयोजन लगातार 11 वर्षों से हो रहा है। यह आयोजन कालिदास अकादमी उज्जैन, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से किया जाता है। यह आयोजन 26 जून एवं 27 जून दो दिवस तक चलेगा। कालिदास प्रसंग के साथ-साथ कालिदास पर आधारित साहित्य, महाकाव्य, खंडकाव्य एवं रचनाओं की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि कालिदास का दशपुर से बहुत ही गहरा नाता रहा है। कालिदास ने मेघदूत एवं अभिज्ञान शाकुंतलम में दशपुर का वर्णन किया है। दोनों काव्य इस बात के साहैं कि कालिदास मंदसौर के थे। उन्होंने आग्रह किया कि अभिज्ञान शाकुंतलम् एवं मेघदूत काव्य की प्रतिमाएं पशुपतिनाथ कॉरिडोर में स्थापित की जाए। दोनों ग्रंथों को कॉरिडोर में दर्शाया जाए।इस अवसर पर विधायक

बुंदेली साहित्य के विकास के लिए बुंदेलखंड साहित्य अकादमी की होगी स्थापना: लोधी

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की संस्कृति और साहित्य को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए योजना बनाकर तेजी से कार्य किया जा रहा है। सभी स्थानीय बोलियों और भाषाओं में साहित्य सृजन एवं साहित्यिक गतिविधियों पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है। बुंदेली में साहित्यिक गतिविधियों के पोषण और संवर्धन के लिए बुंदेलखंड साहित्य अकादमी की स्थापना की जाएगी। यह बात संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने संस्कृति परिषद् के भवन के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से कही। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता हमें संस्कृति के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है, इसे संरक्षित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

संस्कृति परिषद् भवन का किया निरीक्षण

राज्य मंत्री लोधी ने भवन के रेनोवेशन के बाद अकादमियों के कार्यालय को कार्य अनुसार व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय में वृहद और विस्तृत पुस्तकालय है जिसमें लगभग सभी प्रकार का साहित्य उपलब्ध है। आगामी समय में साहित्य में रुचि रखने वाले पाठकों और विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तकालय खोला जाएगा। पुस्तकालय में उचित सुविधाएं विकसित करे।

दिव्यांग मतदाताओं के नाम जुड़वाने को लेकर की चर्चा

दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सिंह

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन के सदस्यों के साथ बैठक

विजय मत, भोपाल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश सुखवीर सिंह ने गुरुवार को निर्वाचन सदन भोपाल में राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाए जाने के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कमेटी के सदस्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के मताधिकार के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान केन्द्रों में बुनियादी न्यूनतम सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया गया है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, रैंप, बड़े अक्षरों में साइनेज, टोकन सिस्टम, बैठने की सुगम व्यवस्था, पीने का पानी, दिव्यागजनों के लिए अनुकूल शौचालय इत्यादि की व्यवस्था गई है। ही दिव्यांगजन अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके साथ ही यह भी पता लगा सके, इसके लिए क्कुंष्ठ श्च्श्च की सुविधा प्रदान की गई है। यह मोबाइल एप्लीकेशन ऐप है। दिव्यांग मतदाता द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप/एनव्हीएसपी पोर्टल के माध्यम से अपनी दिव्यांगता की स्थिति को अद्यतन कर सकता है। दृष्टिहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपी में मतदाता परिचय पत्र एवं मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है।

भारतीय सेना बाढ़ राहत एवं खोज-बचाव ड्रिल आज करेगी

भोपाल। भारतीय सेना के मुख्यालय पश्चिम मध्यप्रदेश सब एरिया के खानूगाँव स्थित 3 ईएमई प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा बड़ा तालाब पर बाढ़ राहत एवं खोज-बचाव से संबंधित एक व्यापक अभ्यास (ड्रिल) एवं उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन 27 जून को सुबह 10:45 बजे किया जायेगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल या एनडीआरएफ, राज्य आपदा मोचन बल यानि एसडीआरएफ और गृह विभाग के समन्वय से संयुक्त रूप से भागीदारी करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, बचाव एवं राहत कार्यों में दक्षता को बढ़ाना तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग और तालमेल को सुदृढ़ करना है।

सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की होगी व्यवस्था

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किये निर्देश

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध ऑनलाइन माध्यम से अतिथि शिक्षक व्यवस्था के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह कार्यवाही जीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से की जायेगी।

निर्देशों में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक आमंत्रण के लिये प्रदर्शित रिक्तियाँ एजुकेशन पोर्टल-3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी हैं। प्रमाणित रिक्तियों के विरुद्ध ही शासकीय विद्यालय में अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। अतिथि शिक्षक के प्रथम चरण की कार्यवाही 26 जून से शुरू हो गयी है। अतिथि शिक्षक की उपस्थिति रिक्वेस्ट का प्रमाणीकरण एक से 3 जुलाई तक किया जायेगा। पोर्टल पर द्वितीय चरण की संभावित समय-सारणी 5 जुलाई से शुरू होकर 12 जुलाई तक समाप्त हो जायेगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक की कार्यवाही पूर्णत~ ऑनलाइन है, किसी भी अतिथि शिक्षक को ऑफलाइन आमंत्रित नहीं किया जायेगा। अतिथि शिक्षक व्यवस्था के विस्तृत रूप से दिशा-निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर देखे जा सकते हैं।

विजय मत एंकर

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस राज्य स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव : कुशवाह

विजय मत, भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज बनाया जा सकता है। मंत्री कुशवाह 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिरण विभाग के सभागार में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के राज्य स्तरीय समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2047 में भारत को विश्व गुरु बनाने का जो सपना देखा है, उसको साकार करने में नशा मुक्त भारत का निर्माण महत्वपूर्ण कड़ी होगा। प्रदेश सरकार, भारत सरकार के साथ हर स्तर पर नशा मुक्त समाज निर्माण के लिये जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिगत ही नहीं सामाजिक बुराई भी है। इसलिए बिना सामाजिक भागीदारी और सक्रियता के नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा एक जून से 26 जून 2025 तक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें स्थानीय, जिला प्रशासन के साथ स्वयं सेवी संस्थाओं, संगठनों के माध्यम से स्कूल, कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। अभियान के अन्तर्गत पुलिस प्रशासन के माध्यम से वाहन चालकों जागरूकता अभियान, अनुभाग और जनपद स्तर सभाओं का आयोजन शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल, महाविद्यालयों में नशामुक्ति का संदेश वाले संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि विशेष रूप से 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को नशा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए, उन्होंने विद्यालयों में नशा से बुराई और दुष्परिणाम विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

प्रदेश में हमारे शिक्षक प्रणाली का ट्रायल क्रियान्वयन 30 जून तक

- लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर होगा संधारित

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रकार की शासकीय प्रक्रियाओं के पारदर्शी रूप से संचालन के लिये एजुकेशन पोर्टल 3.0 का विकास किया है। इस पोर्टल पर शिक्षकों की सुविधा के लिये हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म विकसित किया गया है। अब शिक्षा विभाग से जुड़े सभी लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड इस प्लेटफार्म के माध्यम से संधारित किया जाएगा। विभाग हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर शिक्षकों को कई सुविधाएं चरणबद्ध रूप से उपलब्ध करायेगा।

हमारे शिक्षक डिजिटल प्रणाली का क्रियान्वयन ट्रायल परीक्षण के रूप में प्रदेश भर में 23 जून से शुरू हो गया हैयह ट्रायल राउण्ड 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली को अभिक्रमित करते हुए एक जुलाई से इसका वास्तविक क्रियान्वयन प्रारंभ हो जायेगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से आने वाले समय में शासकीय सेवकों के स्वत्वों से संबंधित आवेदन इस प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com

न्यूज इन शॉर्ट

सभ्य एवं शिक्षित समाज में नशे का कोई स्थान नहीं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि यह दिन समाज को सतर्क एवं जागरूक करता है कि नशा नाश की जड़ है। सभ्य, उन्नतशील व शिक्षित समाज में इसके लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से कहा कि नशामुक्त समाज और प्रदेश को नशामुक्त बनाने के प्रयासों को गति देने में सभी सहयोग करें।

उप निर्वाचन - 2025: मतदान दलों के प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त

भोपाल। नगरीय निकायों के उप निर्वाचन - 2025 (पूर्वाह्न) के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड क्रमांक 07 के पार्षद पद के लिए निर्वाचन संपन्न कराये जाने के लिए जनपद पंचायत बैरसिया के सभाकक्ष में 30 जून को प्रातः 11.30 बजे मतदान दलों को प्रशिक्षण (सैद्धांतिक एवं ईव्हीएम का व्यवहारिक प्रशिक्षण) प्रदान करने के लिए मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त किए गए है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने डॉ. बवन सयके, सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय बैरसिया एवं डॉ. शोयब खान, सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय बैरसिया, को मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त किया है।

युवा मोर्चा आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 'मॉक पार्लियामेंट' का करेगा आयोजन

भोपाल। भारतीय जनता युवा मोर्चा कांग्रेस द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र पर हुए हमले की स्मृति में पूरे देश में मॉक पार्लियामेंट्स (युवा संसद) आयोजित करने जा रहा है। 27 जून शुक्र वार को प्रातः 11 बजे, नगर निगम सभागार, आईएसबीटी बस स्टैंड भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी एवं युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी श्री रोहित चहल की उपस्थिति में मॉक पार्लियामेंट आयोजित की जा रही है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने बताया कि यह आयोजन संसद जैसी संरचना और प्रक्रि या पर आधारित होगा, जिसमें भोपाल संभाग के युवा छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। पूरी गतिविधि संसद की कार्यवाही की तरह संचालित की जाएगी, जिसमें युवा प्रतिनिधि सांसदों की भूमिका में होंगे और विचार-विमर्श करेंगे। युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को भारत की संसदीय कार्य प्रणाली से परिचित कराना और उन्हें आपातकाल जैसे लोकतंत्र विरोधी घटनाक्र मों की ऐतिहासिक सच्चाई से अवगत कराना है। 1975 में लगाए गए आपातकाल ने संविधान, मौलिक अधिकारों और स्वतंत्र पत्रकारिता तक को कुचल दिया था। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना और संविधान के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना हैं।

कुबेरेश्वर धाम में पांच जुलाई से गुरु पूर्णिमा महोत्सव, पंडित प्रदीप मिश्रा करेंगे कथा

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की शुरुआत पांच जुलाई से होगी। इस मौके पर दोपहर में कथा और 10 जुलाई को दीक्षा महोत्सव का आयोजन प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में किया जाएगा। कुबेरेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस महोत्सव में 5 जुलाई से 9 जुलाई तक कथा होगी और 10 जुलाई को गुरु दीक्षा महोत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव में मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं कथा का श्रवण करेंगें और इसके अलावा महोत्सव का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया और अन्य माध्यम से आन लाइन किया जाएगा। इसके लिए धाम में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

तैयारियों का पंडित मिश्रा ने लिया जायजा- मंदिर परिसर में होने वाली कथा की तैयारियां पूर्ण की जा रही है। इसको लेकर स्वयं अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित श्री मिश्रा ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को लेकर भोजनशाला सहित अन्य भव्य पंडालों का निरीक्षण कर यहां पर मौजूद विठलेश सेवा समिति के सेवादारों से चर्चा की। दुनिया की सबसे बड़ी भोजनशालाओं में से एक आधुनिक भोजन शाला के पास यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंडाल लगाया जा रहा है। यहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु निःशुल्क रूप से प्रसादी ग्रहण करते हैं।

ग्वालियर को नई रेल सेवा बड़ी सौगात: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

उद्योग, रोजगार का नया हब बनेगा ग्वालियर-चंबल : डॉ. मोहन यादव

- मध्यप्रदेश में 24 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट प्रारंभ: केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव
- ग्वालियर से बैंगलोर के लिये नई रेल सेवा का हुआ शुभारंभ

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर-चंबल अंचल को एक बड़ी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। अब अंचल के लोग ग्वालियर से ट्रेन द्वारा सीधे बैंगलोर पहुँच सकेंगे। युवाओं के लिये यह विशेष तौर पर तोहफा है। साप्ताहिक ग्वालियर-बैंगलोर ट्रेन सुविधा से आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर से गुरुवार को ग्वालियर से बैंगलोर नई ट्रेन सुविधा का वर्चुअल शुभारंभ किया। कार्यक्रम से केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी वर्चुअली जुड़े। ग्वालियर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार से मध्यप्रदेश को रेल सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक सौगातें मिली हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने रेलवे के क्षेत्र में विकास के कई आयाम छुए हैं। प्रदेश के लगभग 80 रेलवे स्टेशनों जिसमें ग्वालियर भी शामिल है, का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया के समय से ग्वालियर-अंचल को रेल सुविधाओं का जो सिलसिला प्रारंभ हुआ है, उसी कड़ी में आज ग्वालियर से बैंगलोर के लिये नई ट्रेन सुविधा मिली है।

ग्वालियर में होगी केबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. राजमाता विजयाराजे सिंधिया की कर्मभूमि और अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके सम्मान में ग्वालियर में शीघ्र ही केबिनेट बैठक का आयोजन किया जाएगा।

ग्वालियर-चंबल बनेगा उद्योग एवं रोजगार हब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से ग्वालियर-चंबल अंचल में रोजगार, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में ग्वालियर-चंबल संभाग उद्योग और रोजगार का नया हब बनेगा। युवाओं को उद्योगों के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। ग्वालियर और मालवा अंचल को रेल सुविधा, हवाई सुविधा के माध्यम से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्वालियर को नई रेल सुविधा की सौगात देने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल के लिये ग्वालियर से बैंगलोर चलने वाली ट्रेन बड़ी सौगात है। इस ट्रेन के शुरू होने से ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐसे युवा जो आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं उन्हें सीधे बैंगलोर पहुँचने की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। केन्द्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे के क्षेत्र में विकास के मामले में मध्यप्रदेश के लिये अनेक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। पिछले वर्ष में ही 24 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश को प्रदान किए गए हैं।

सभी वार्ड क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर से बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं: महापौर

- महापौर मालती राय ने जोन क्र. 3, जोन क्र. 4 एवं जोन क्र. 18 के कार्यों की समीक्षा की
- वर्षा ऋतु में नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने हेतु भी निर्देशित किया

विजय मत, भोपाल

महापौर मालती राय द्वारा शहर के नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत निगम के जोन कार्यालयों के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में महापौर राय ने गुरूवार को जोन क्र. 03, जोन क्र. 04 एवं जोन क्र. 18 के कार्यों की समीक्षा की और सभी वार्ड क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर से बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, विकास एवं जनसुविधा के कार्यों को त्वरित गति से सम्पादित करने, राजस्व आय में वृद्धि एवं प्रभावी ढंग से वसूली सुनिश्चित करने एवं वर्षा ऋतु में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने तथा नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने और शहर में कहीं भी जल ठहराव की स्थिति निर्मित न होने देने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर, जोन अध्यक्ष सुनीता भदौरिया, पार्षदगण मोहम्मद सरवर, शैलेष साहू, ज्योति मिश्रा, शीतल वर्मा के अलावा जोनल अधिकारीगण, संबंधितों जोनों के यांत्रिक, जलकार्य व विद्युत विभागों के सहायक यंत्रीगण, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी आदि मौजूद थे। महापौर मालती राय ने आई.एस.बी.टी. स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में जोन क्र. 03, 04 एवं 18 के अंतर्गत साफ-सफाई, जलापूर्ति, यांत्रिक कार्यों, स्ट्रीट लाईट के अलावा अन्य विकास एवं जनसुविधा के कार्यों व राजस्व वसूली की समीक्षा की। महापौर राय ने निर्देशित किया कि नागरिकों को बेहतर से बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत विकास एवं जनसुविधा कार्यों को शीघ्रता से निष्पादित किए जाए। राय ने शहर की साफ-सफाई को और अधिक बेहतर बनाए रखने तथा वर्षा ऋतु में नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने, जल की निकासी को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने और शहर में कहीं भी जल ठहराव की स्थिति निर्मित न होने देने के निर्देश दिए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला

म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी करेगी सहभागिता

विजय मत, भोपाल

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए, 27 जून को विश्वकर्मा भवन आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी करेगी सहभागिता करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के लिए क्रियान्वयन एवं कार्ययोजना के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अनुशंसा करने के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन किया गया है। भारतीय भाषा समिति के द्वारा मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं के लिए एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के लिए मंथन को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल की ओर से अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ. उत्तम सिंह चौहान एवं सहायक संचालक राम विश्वास कुशवाहा प्रतिनिधित्व करेंगे।

अकादमी के पदाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण के माध्यम के रूप में मातृभाषा/स्थानीय भाषा के उपयोग पर जोर दिया गया है। भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और अध्ययन सामग्री छात्रों को विषयों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता करेगी। भारतीय भाषा पुस्तक योजना एक केंद्रीय योजना है, जो स्कूल और उच्च शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर पढ़ाई जा रही पाठ्यपुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराएगी।

युवती से बातचीत करने के विवाद में युवक के पेट में गुप्ती घोंपकर हत्या

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना इलाके में बीती रात करीब 11 बजे एक एक रेस्टोरेंट के पास युवको के बीच में लड़की को लेकर शुरु हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोपियो ने नगर निगम के फायरकर्मी के सामने उसके छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मामले में अवध राठौड़ और तरुण कुशवाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। हत्याकांड में हैरानी वाली बात यह रही की वारदात के बाद आरोपी हमीदिया अस्पताल जाकर भर्ती हो गए थे। मिली जानकारी के अनुसार जांच में पता चला है, कि अंकित वर्मा का एक लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। अब उसकी युवती की दोस्ती आरोपी अवध राठौर से हो गई है। लेकिन अंकित वर्मा अभी भी उस युवती से बातचीत करता रहता था।

अब राशन भी गांव में, रोजगार भी गांव में: गोविंद सिंह राजपूत

- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना: जनजातीय अंचलों में आत्मनिर्भरता और सुविधा की नई इबारत

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश के जनजातीय बहुल अंचलों में एक समय ऐसा था जब गरीब और दूरस्थ गांवों के लोगों को राशन प्राप्त करने के लिए मीलों दूर शासकीय उचित मूल्य दुकान तक पैदल चलना पड़ता था। यह न केवल समय और श्रम की बर्बादी थी, बल्कि कई बार बुजुर्ग, महिलाएं और मजदूरी करने वाले लोग राशन लेने से वंचित रह जाते थे। इस जमीनी सच्चाई को बदलने की पहल बनी राज्य शासन की मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना ने उन गांवों को राहत दी, जहाँ उचित मूल्य दुकानें नहीं थीं और परिवारों को दूसरे गांवों में जाकर खाद्यान्न लेना पड़ता था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के तहत प्रदेश के 6575 आश्रित गांवों के करीब 7.13 लाख परिवारों को अब उनके ही गांव में राशन सामग्री मिलने लगी है। यह वितरण अनुसूचित जनजाति के चयनित हितग्राहियों द्वारा चलाए जा रहे वाहनों के माध्यम से होता है, जिससे दोहरा लाभ मिल रहा है - लोगों को राशन की सुविधा गांव में और युवाओं को स्वरोजगार। प्रदेश के 20 जिलों के 89 जनजातीय विकासखंडों में 472 सेक्टर बनाए गए हैं, जहाँ बैंक ऋण और राज्य सरकार द्वारा 2 से 3 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी दी जाती थी, इसकी सहायता से युवा वाहन के मालिक बने हैं। इन्हें प्रति माह एक मीट्रिक टन वाहन क्षमता के लिये 24,000 रूपये और 2 मीट्रिक टन वाहन क्षमता के लिये 31,000 रूपये निश्चित किराया भी दिया जा रहा है।

लोक निर्माण से लोक कल्याण

जल संरक्षण में लोक निर्माण विभाग की अभिनव पहल - 'लोक कल्याण सरोवर'

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा शुरू की गई 'लोक कल्याण सरोवर' योजना अब एक सकारात्मक बदलाव की पहचान बन चुकी है। यह योजना इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी कैसे साधा जा सकता है। सड़क निर्माण के लिए की जा रही मिट्टी खुदाई के स्थलों को उपयोग में लाते हुए विभाग ने उन्हें स्थायी जल संरचनाओं का रूप देना शुरू किया है। उल्लेखनीय बात यह है कि इन सरोवरों के निर्माण में सरकार को कोई अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं उठाना पड़ता। निर्माण एजेंसियों द्वारा छोड़े गए गड्ढों को वैज्ञानिक विधियों से समतल और गहरा कर वर्षा जल के संग्रहण योग्य बना दिया जाता है, जिससे न केवल भूजल स्तर में सुधार होता है बल्कि आसपास की खेती और ग्रामीण जीवन को भी संबल मिलता है। विभाग द्वारा प्रदेश भर में 500 लोक कल्याण सरोवर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दिशा में सतना संभाग में नवाचार का असर साफ दिखाई देने लगा है।

ई-अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों में नाराजगी

भोपाल। मप्र में स्कूल शिक्षकों की अनिवार्य ई-अटेंडेंस प्रणाली को लेकर शिक्षकों में असंतोष है। मप्र शिक्षक कांग्रेस ने लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र लिखकर ई-अटेंडेंस प्रणाली को तत्काल बंद करने की मांग की है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सतीश शर्मा ने जारी एक पत्र में कहा है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली शिक्षकों के लिए व्यवहारिक रूप से अनुचित और समस्या पूर्ण साबित हो रही है। खासकर ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में जहां नेटवर्क और संसाधनों की भारी कमी है। 60 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में नेटवर्क की गंभीर समस्या है, जिससे ई-अटेंडेंस रोजाना एक चुनौती बन जाती है। वर्षा और बाढ़ के मौसम में रास्ते बंद हो जाते हैं, जिससे स्कूल पहुंचना ही मुश्किल हो जाता है। शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभाग भी शिक्षकों को विभिन्न गैर-शैक्षणिक कार्यों (सर्वेक्षण, बीएलओ ड्यूटी, चुनाव, जनगणना, आपदा राहत) में लगाते हैं।

भोपाल में स्कूल बसों पर आरटीओ की कार्रवाई

- बिना परमिट-फिटनेस के चल रहीं 5 बसें जब्त, 3 से वसूला गया 25 हजार जुर्माना

विजय मत, भोपाल

स्कूल बसों की अनियमितताओं को लेकर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड पर विशेष चेकिंग अभियान के दौरान माउंट कार्मल और केएम कॉन्वेंट स्कूल समेत कई स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट और फिटनेस के दौड़ रही 5 बसें जब्त की गईं। ये सभी वाहन जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़े कर दिए गए हैं। इसके अलावा तीन अन्य बसों से बिना पीयूएस और चालक के पास वैध लाइसेंस न होने पर 25,000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। आरटीओ अमले ने मौके पर ही दस्तावेजों की बारीकी से जांच की और जिन वाहनों में भारी खामियां पाई गईं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की।

विजय मत एंकर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण कर दिए निर्देश

निगम मुख्यालय के शेष छोटे-बड़े सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराएं

- प्रतिदिन के कार्यों का प्रगति प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करें

विजय मत, भोपाल

नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन ने निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और लिफ्ट, फर्नीचर, बाथरूम, कक्ष, हॉल, गैलरी, कैफेटेरिया, पार्किंग, फॉयर सेफ्टी, सेंसर आदि सहित अन्य छोटे-बड़े कार्यों पर भी सूक्ष्मता से निगरानी करते हुए सभी शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराने तथा प्रतिदिन के कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव सहित अन्य अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि व कंसलटेंट मौजूद थे।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने गुरूवार को तुलसी नगर सेकेण्ड स्टॉप के पास स्थित निगम मुख्यालय भवन के सभी तलों एवं छत का निरीक्षण किया और भवन के सभी तलों के कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निरीक्षण के दौरान मुख्यालय भवन में विभिन्न कक्षों, हॉल, गैलरी, शौचालय पोर्च में किए जा रहे कार्यों के साथ ही फर्नीचर फिटिंग, लिफ्ट, फॉयर सेफ्टी आदि कार्यों का निरीक्षण किया और फर्नीचर फिटिंग संबंधी कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निर्देशित किया कि मुख्यालय भवन में स्थापित होने वाली 06 लिफ्टों में से शेष 02 के कार्य भी तीव्र गति से पूर्ण करें और फॉयर सेफ्टी संबंधी कार्यों और सेंसर आदि के कार्यों को भी शीघ्रता से पूर्ण कराएं। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सख्ती के साथ निर्देशित किया कि निगम मुख्यालय के प्रचलित सभी छोटे-बड़े कार्यों पर बारीकी से मॉनीटरिंग करें और कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण कराएं साथ ही प्रतिदिन के कार्यों का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करें।

निगम आयुक्त श्री नारायन ने मुख्यालय भवन में बैंक एवं कैफेटेरिया क्षेत्र के साथ ही बैंक के लिए पार्किंग, गेट आदि का भी जायजा लिया और कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने भवन के ऊपरी छत का भी अवलोकन किया और सुरक्षा संबंधी कार्यों को मानक गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान: जबलपुर में जल स्त्रोंतों के उद्गम स्थल को बेहतर बनाने की मुहिम

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में 30 मार्च से जल संरचनाओं के संरक्षण और जल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई की मुहिम चलाई गई थी। जलबपुर में भी जल स्त्रोतों के उद्यगम स्थलों को संरक्षण की दिशा में जल भागीदारी से विशेष प्रयास किये गये है।

नदियाँ हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नदियाँ पेयजल का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं, जो मानव जीवन के लिए आवश्यक है। वहीं कृषि के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ नदियों से आर्थिक गतिविधियाँ भी संचालित होती है। नदियां हमारे लिए प्राकृतिक वरदान हैं, जो जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में उपयोगी हैं। साथ ही सांस्कृतिक विरासत का एक हिस्सा भी होती हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कुओं, बावडियों और तालाबों जैसी जल संरचनाओं के संरक्षण और प्रबंधन के लिए जबलपुर जिले में प्रभावी कार्य किये जा रहे है। इसके साथ ही जिले में नदियों के उद्गम स्थल को भी बेहतर स्वरूप देने का प्रयास किये जा रहे है। वैसे तो नर्मदा, गौर, हिरन, परियट आदि कई छोटी-बड़ी नदियां है, जो जिले में पेयजल आपूर्ति के साथ कृषि भूमि को भी सिंचित करती है। लेकिन यहां मुख्य रूप से परियट नदी के संबंध में उल्लेख किया जा रहा है।

परियट नदी का उद्गम कुंडम विकासखंड के ग्राम पंचायत बैरागी के पोषक ग्राम खाम्हा में एक कुंड से हुआ है। वहां से एक पतली जलधारा के रूप में प्रवाहित होते हुए नदी का स्वरूप लेते हुए विभिन्न ग्रामों को पेयजल की आपूर्ति व कृषि भूमि को सिंचित करते हुए लगभग 55 किलोमीटर की यात्रा तय कर हिरन नदी में मिल जाती है। परियट नदी जिले की एक महत्वपूर्ण नदी है, जिसमें ग्राम सुंदरपुर के पास अंग्रेजों ने 1917 से 1926 के बीच एक बांध बनाया था, जिसका जल ग्रहण क्षमता 422.2 वर्गमील है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज़ में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फ़हान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज़ और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज़ और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फ़हान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर क़ोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिज़ाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब लोकतंत्र की जननी कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की आत्मा कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था।

इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोज़मर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

> इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद 'ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय

हर्षवर्धन पान्डे

25 जून 1975 रायसीना हिल्स का नज़ारा देखने लायक था तब शायद ही किसी ने कल्पना की हो इसी रायसीना हिल्स से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का काफिला यहां से गुजरेगा तब तक किसी को पता नहीं था कि इसके बाद भारत के राजनीतिक इतिहास पर एक कलंक लगने वाला है। एक ऐसा धब्बा जो कभी न मिटाई जा सकने वाली याद के रूप में इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। उसका नाम आपातकाल था और आज भी उस आपातकाल के 50 बरस पूर्ण होने की याद जेहन में एक सिहरन पैदा करती है। उस दौर को जिसने जिया है वो आपातकाल को आज भी नहीं भुला पाता है। भारत के इतिहास में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का समय एक अंधेरे दौर के रूप में जाना जाता है, जिसे आपातकाल के नाम से याद किया जाता है। इस काल में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की थी। यह निर्णय देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर एक गहरा आघात था, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक स्वतंत्रता का हनन, प्रेस की आजादी पर अंकुश और राजनीतिक विरोधियों का दमन हुआ। 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इंदिरा गांधी की सलाह पर आपातकाल की घोषणा की। इसके तहत संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा कर भय, आतंक और दहशत का माहौल बना दिया। नागरिकों के मूल अधिकारों को सीमित कर दिया गया। समाचार पत्रों और मीडिया पर सख्त सेंसरशिप लागू की गई। सरकार के खिलाफ कोई भी आलोचनात्मक लेख या समाचार प्रकाशित करने पर प्रतिबंध था। कई समाचार पत्रों ने विरोध में खाली पन्ने छापे।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, लालकृष्ण आडवाणी जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं को मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया। हजारों कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया।आपातकाल के दौरान सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए जबरन नसबंदी अभियान चलाया, विशेष रूप से संजय गांधी के नेतृत्व में। यह नीति विशेष रूप से ग्रामीण और गरीब वर्गों के लिए उत्पीड़न का कारण बनी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं।

> पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेज़ी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेज़ी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमज़ोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेज़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोज़गार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेज़ी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।

इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नज़रअंदाज़ करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेज़ी बोलने वालों को हमेशा इज़्ज़त की नज़र से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीज़ों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण ज़रूर बढ़ सकता है। ख़ासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद ख़तरनाक है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8410

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8409 का हल

आ	ह	■	प	र	दा	■	क	म
ग	■	क	ना	त	■	र	च	ना
■	क	ल	ह	■	ग	ह	रा	■
श	र	म	■	ह	र	म	■	स
री	म	■	आ	रा	म	■	क	म
फ	■	शी	स	म	■	न	ह	र
■	क	त	रा	■	अ	म	र	■
बा	द	ल	■	रा	ज	न	■	त
ज	र	■	ज	ह	र	■	द	वा

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.44 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.12 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.38 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.45 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.18 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मेष	00.49 बजे से
		वृष	02.29 बजे से
		मिथुन	04.27 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 11.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 07.22 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 21.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.20 बजे तदनन्तर तैतिल 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872388
जूलियन दिन 2460853.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 01
विशेष जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक	रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक	काल	07.11	से 08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक	चर	02.51	से 04.23	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक	रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की शान्ति समिति की अपील

शहडोल। जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में विराट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में आगामी त्यौहार आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील शान्ति समिति के सदस्यों ने जिले वासियों से की है। बैठक में 27 जून 2025 को आयोजित की जाने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 06 जुलाई को मोहर्रम पर्व की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डीएसपी राघवेन्द्र द्विवेदी, टीआई राघवेन्द्र तिवारी, यातायात प्रभारी, नगरपालिका के अधिकारी, शान्ति समिति के सदस्य गिरधर सिंह, चन्द्रेश द्विवेदी, दिनेश अग्रवाल, संजीव निगम, शानउल्लाखान, पदम खेमका सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि 27 जून को जिला मुख्यालय शहडोल में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जानी है, रथ यात्रा का मार्ग निर्धारित है। जिन मार्गों से रथ यात्रा निकलेगी उन मार्गों का टीआई कोतवाली विद्युत विभाग तथा नगरपालिका के अधिकारियों की संयुक्त टीम भ्रमण कर जहां-जहां मार्ग में गड्ढे भरने तथा बिजली के तारों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, वे सभी कार्य पूरे करा लिए जाए। रथ यात्रा 27 जून को मध्यान्ह 02 बजे मोहनराम मंदिर प्रारंभ होगी तथा निर्धारित रूट में भ्रमण करते हुए रात्रि 8 बजे तक पूरी कर पंचायती मंदिर में पहुंचेगी। जहां भगवान जगन्नाथ विश्राम करेंगे। 29 जुलाई को पंचायती मंदिर से रथ यात्रा मोहनराम मंदिर के लिए वापस होगी। आगामी 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाएगा। 05 एवं 06 जुलाई को मोहर्रम का जुलूस निकलेगा। बैठक में जुलूस के रूट एवं ताजिया विसर्जन संबंधी जानकारी कोतवाली शहडोल को पूर्व से ही अवगत कराने का निर्णय लिया गया।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल 26 जून को रात्रि 10:10 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 27 जून को प्रातः 10:30 बजे अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे एवं सर्किट हाऊस अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। अपरान्ह 3 बजे अनूपपुर से भटिया (खोड़री) जैतपुर, जिला शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे। अपरान्ह 3:30 बजे सरस्वती शिशु मंदिर भटिया (खोड़री) जैतपुर, जिला शहडोल पहुंचेंगे एवं नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अपरान्ह 4:30 बजे भटिया (खोड़री) जैतपुर जिला शहडोल से बिजुरी, जिला अनूपपुर हेतु प्रस्थान करेंगे। शाम 6 बजे बिजुरी पहुंचेंगे एवं हनुमान मंदिर चौक में जगन्नाथ रथ यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 6:30 बजे निज निवास बिजुरी पहुंचेंगे। शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

जिले में अब तक दर्ज की गई 126.6 मि.मी. औसत वर्षा

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 25 जून को जिले में कुल 24.9 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 2.0 मिमी., बुढ़ार में 10.0 मिमी., गोहपारू में 36.0 मि.मी., जैतपुर में 42.0 मिमी, चन्नौड़ी में 22.0 मिमी., ब्यौहारी में 12.0 मिमी, जयसिंहनगर में 50.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून 2025 से अब तक वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 102 मिमी., बुढ़ार में 84 मिमी., गोहपारू में 100 मि.मी., जैतपुर में 238 मिमी, चन्नौड़ी में 204 मिमी., ब्यौहारी में 108 मिमी, जयसिंहनगर में 50 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस प्रकार जिले में अब तक औसत वर्षा 77.9 मिमी. दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 126.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

खतरे का सफर बना बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज का रास्ता

शहडोल मेडिकल कॉलेज के पहुंच मार्ग की हालत नारकीय , खड्डे, कीचड़ और अंधेरे में हर दिन जान जोखिम में डाल रहे नागरिक

विजय मत, शहडोल

संभाग को दी गई बहुप्रतीक्षित स्वास्थ्य सेवा बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज जहां क्षेत्रीय जनता के लिए संजीवनी बनकर उभरा है, वहीं वहां तक पहुंचने वाला मुख्य मार्ग मौत का रास्ता बनता जा रहा है। नया बस स्टैंड से मेडिकल कॉलेज तक जाने वाली यह सड़क बदहाली की सारी सीमाएं पार कर चुकी है।

खड्डों, कीचड़ और अंधेरे में फंसी ज़िंदगी

इस मार्ग पर चलते वक्त ऐसा प्रतीत होता है जैसे नागरिकों की जिंदगी खुद खतरों के हवाले कर दी गई हो। सड़क पर गहरे खड्डे, फिसलन भरा कीचड़, और रात को घना अंधेरा ये सभी मिलकर इस रास्ते को हर दिन सैकड़ों यात्रियों के लिए जोखिमपूर्ण बना देते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग मौत का फंदा साबित हो रहा है, आए दिन दुर्घटनाएं आम बात हो गई हैं।

सड़क की चौड़ाई घटकर रह गई मात्र 8 फीट

जहां यह मार्ग किसी मेडिकल कॉलेज से जोड़ने वाला

प्रमुख संपर्क मार्ग होना चाहिए, वहां इसकी चौड़ाई कुछ स्थानों पर सिर्फ 8 से 10 फीट रह गई है। सड़क किनारे कोई सुरक्षा दीवार नहीं है, जिसके कारण मामूली असंतुलन भी वाहन चालकों को गहरे खड्डों में ले जा सकता है। टांकी नाला के आगे की स्थिति बेहद गंभीर और भयावह है।

बिना स्ट्रीट लाइट के अंधेरे में घिरा हर सफर

पूरे मार्ग पर स्ट्रीट लाइट का नामोनिशान नहीं है। शाम ढलते ही यह रास्ता घुप्प अंधेरे में समा जाता है, जिससे यह मार्ग न केवल डरावना बन जाता है बल्कि जानलेवा भी हो जाता है।

चौड़ीकरण की घोषणा बनी कागजी बात

हालांकि उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस मार्ग के चौड़ीकरण की घोषणा की थी, लेकिन वह घोषणा सिर्फ भाषणों और कागज़ों तक सीमित रह गई है। अब तक न कोई टेंडर जारी हुआ, न ही कोई ठोस पहल। इससे जनता में रोष और निराशा दोनों का माहौल है।

प्रशासन की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल

यदि प्रशासन यह मानकर बैठा है कि चौड़ीकरण के बाद ही विद्युत व्यवस्था की जाएगी, तो तब तक हजारों नागरिकों की जान की जिम्मेदारी कौन लेगा? यह एक अत्यंत संवेदनशील और जनस्वास्थ्य से जुड़ा विषय है, जिसकी अनदेखी प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाती है।

सांसद एवं प्रशासन से अपेक्षा

सांसद श्रीमती हिमाद्रि सिंह एवं संवेदनशील जिला कलेक्टर डॉ. केदार सिंह से अपेक्षा है कि वे इस जनहितकारी कार्य को प्राथमिकता देकर इसमें शीघ्रता लाएं। खनिज मद या सांसद निधि से इस सड़क का जीर्णोद्धार कराया जाए ताकि आम नागरिकों और मरीजों की सेहत और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पहली बरसात में 289 करोड़ की लागत से बनी सड़क टूट गई

रीवा ब्योहारी टेटका सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

विजय मत, शहडोल

मप्र रोड डेवलमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी) द्वारा रीवा-ब्योहारी -टेटका सड़क ग्राम जोरा के समीप पहली बरसात में ही टूट गई। 289 करोड़ रुपए की लागत से अभी-अभी बनाई गई इस सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। 97.5 किलोमीटर लंबी इस सड़क को कांवर कंस्ट्रक्सन कंपनी द्वारा निर्मित किया गया है। बताया गया है कि यह सड़क बीच से फट गई है साथ ही पिचिंग की मिट्टी व अन्य मटेरियल पानी में बह गया है। सवाल उठता है कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान क्यों नहीं दिया क्योंकि लगभग तीन अरब रुपए की लागत से बनी सड़क भी यदि इतनी घटिया बनेगी तो बांकी का क्या कहना।

सेटलमेंट के कारण मिट्टी कट गई है -एमपीआरडीसी के अधिकारियों का कहना है कि सेटलमेंट के कारण बरसात में मिट्टी कट गई थी जिसे आज ही ठीक करा दिया गया है। पुल-पुलियों में मिट्टी का सेटलमेंट अक्सर होता है । ज्यादा कुछ नुकसान नहीं हुआ है । मौसम ठीक होने पर डामरीकरण का कार्य भी करा दिया जाएगा।

फिनिसिंग का काम बांकी है- विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यह सड़क लगभग बन चुकी है सिर्फ फिनिसिंग का काम बांकी है जिसे शीघ्र पूरा करा लिया जाएगा। गुणवत्ता के सवाल पर अधिकारी कहते हैं रोड की गुणवत्ता पर हम ध्यान रख रहे हैं।

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ब्योहारी ने की जांच की मांग -ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने एमपीआरडीसी के विरूद्ध भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए करोड़ो रुपए की लागत से नवनिर्मित सड़क के पहली बरसात में टूट जाने की उच्च स्तरीय जांच की मांग जिले के कलेक्टर से की है।

इनका कहना है

मिट्टी सेटलमेंट के कारण बरसात के कारण मिट्टी कट गई थी जिसे आज ही ठीक करा दिया गया है । मौसम ठीक होने पर डामरीकरण का कार्य भी करा दिया जाएगा। कुछ बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। मिट्टी का सेटलमेंट प्रायः होता रहता है।

अवधेश स्वर्णकार
डीएम
एमपीआरडीसी शहडोल

आज मोहन राम मंदिर से निकाली जायेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

विजय मत, शहडोल

आज 27 जून को दोपहर 2.00 बजे पुष्प नक्षत्र महायोग जैसे अति विशिष्ट शुभ मुहूर्त पर भगवान श्री जगन्नाथ जी स्वामी की भव्य रथ यात्रा मोहन राम मन्दिर शहडोल से प्रारंभ होगी। रथ यात्रा मार्ग में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है रथ यात्रा मार्ग पूर्व वर्षों की भाँति यथावत रहेगा।

यात्रा मार्ग मोहन राम मंदिर शहडोल से गणेश मंदिर बुढार चौक से वापस होते हुए गुरु नानक चौक घरौला मोहल्ला कमिश्नर बांग्ला नर्मदा गैस एजेंसी जय स्तंभ से वापस मुख्य मार्ग चौपाटी गंज रोड सब्जी मंडी होते हुए न्यू गांधी चौक पुराना गांधी चौक शिवम होटल से जामा मस्जिद होते हुए पुराना गांधी चौक से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा पंचायती मंदिर पहुंचेगी । यहां पर दो दिवस भगवान विश्राम करेंगे 29 जून 2025 को शाम 5.00 बजे भगवान जगन्नाथ पंचायती मंदिर से मोहन राम मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजन समिति के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रेश द्विवेदी ने बताया की भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा दिव्या एवं भव्य होगी 20 रथवाहक नंगे पैर पूरे 14 किलोमीटर भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचेंगे

रथ यात्रा के शुभारंभ में स्थानीय जनप्रतिनिधि विधायक एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पार्टी जिला अध्यक्ष सहित नगर के गणमन नागरिकों द्वारा भगवान जगन्नाथ का पूजन किया जाएगा पूजन पश्चात विधिवत रथ यात्रा का शुभारंभ होगा।

रथ यात्रा आयोजन समिति के पूर्व अध्यक्ष चंद्रेश द्विवेदी एडवोकेट ने बताया कि शहर के श्रद्धालुजनों द्वारा अनेक स्थानों पर भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ का पूजन किया जाएगा एवं पुष्प वर्षा करके भगवान जगन्नाथ जी की आराधना की जाएगी।

जिला शांति समिति की बैठक में शहडोल जिले के लोकप्रिय कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह द्वारा रथ यात्रा को दिव्य एवं भव्य बनाने हेतु नगर पालिका अधिकारी विद्युत मंडल के अधिकारी एवं अन्य संबंधित जनों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। निर्देश के पालन में आयोजन समिति के अध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह, संयोजक- प्रियम त्रिपाठी, व पदम खेमका द्वारा शासकीय अमले के साथ यात्रा मार्ग, को दुरुस्थ करने, यात्रा मार्ग मे बिजली के तार ऊपर उठाये जाने, संबंधी स्थितियों का जायजा लिया

आयोजन समिति ने शहडोल नगर के सभी जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक पत्रकार बंधुओ एवं आम जनों से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील किया है।

बैगा हितग्राहियों के पीएम आवास प्राथमिकता से स्वीकृत कराएं

शहडोल। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पात्र बैगा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जाते हैं। योजना का संचालन विगत 02 वर्षों से किया जा रहा है। ऐसे बैगा जनजाति के पात्र हितग्राही जिनके पास स्वयं का आवास नहीं है, और अभी तक आवास स्वीकृत नहीं किए गए हैं, वे हितग्राही संबंधित ग्राम पंचायतों में अपना आवेदन करें। इसके साथ ही इसकी सूचना ब्यौहारी जनपद पंचायत में राहुल द्विवेदी मो.नं. 9893037391, बुढ़ार जनपद पंचायत में दीपक पटेल मो. नं. 9893206948, गोहपारू जनपद पंचायत में किरण प्रसाद मो. नं. 7987745010, जयसिंहनगर जनपद पंचायत में राघवेन्द्र सिंह मो. नं. 8120432519 तथा सोहागपुर जनपद पंचायत में कैलाश सिंह बघेल मो. नं. 8226915364 पर दे सकते हैं। आपने बताया कि जिन बैगा हितग्राहियों के पास पूर्व से स्वयं का पक्का आवास है अथवा ऐसे हितग्राही जो शासकीय सेवा में हैं पीएम जनमन आवास की पात्रता की श्रेणी में नहीं आएंगें।

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एवं एम्प्लायमेंट कार्यक्रम आज

शहडोल। प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र शहडोल मती जूही खटीक ने जानकारी दी है कि रतलाम जिले में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सानिध्य में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एवं एम्प्लायमेंट कॉनक्लेव का आयोजन 27 जून 2025 को प्रातः 11.30 बजे से किया जाएगा।

जिसका वर्चुअली प्रसारण जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में किया जाएगा एवं विभिन्न विभागों के हितग्राही मूलक योजनाओं के हितलाभ का वितरण भी किया जाएगा।

तैयारी

फलों की मंडी में बदला समीकरण, खरीदारों की पसंद में आया बदलाव

बारिश का बाजार पर असर, सेब-अनार महंगे, आम ने दी राहत

विजय मत, शहडोल

शहर में लगातार हो रही बारिश ने जहां मौसम को सुहाना बना दिया है, वहीं इसका असर फलों की कीमतों पर भी साफ देखने को मिल रहा है। मंडी में फल-सब्ज़ियों की आवक घटने से कई फलों के दाम आसमान छूने लगे हैं। खासकर सेब और अनार जैसे फलों की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर आम की बंपर पैदावार ने उसके दामों को नीचे गिरा दिया है, जिससे यह फल आमजन की पहली पसंद बन गया है।

सेब और अनार की कीमतों में उछाल-अभी कुछ सप्ताह पहले तक जो सेब मध्यम वर्ग के लिए सुलभ था, अब उसकी कीमतें 200 से 250 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। अनार भी 100 से 150 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। बरसात के कारण फलों की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे इनके दामों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिल रही है। त्योहार और विशेष अवसरों पर खपत ज़्यादा होने से ये फल अब केवल उच्च वर्ग तक सीमित होते जा रहे हैं।

आम की बंपर आवक से गिरे दाम, खरीदारों में खुशी-वर्षा ऋतु में आम का मौसम परवान पर होता है और इस वर्ष भी यही देखने को मिल रहा है। आम की बंपर आवक से इसके दामों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मंडी में आम 15 से 20 रुपए प्रति किलो, बाजार में 25 से 30 रुपए प्रति किलो और थोक में 100 रुपए प्रति कैरेट में उपलब्ध है। इस किफायती दाम ने आम को इस समय का सबसे अधिक बिकने वाला फल बना दिया है। जो ग्राहक पहले सेब या अनार जैसे महंगे फल खरीदने में असमर्थ थे, वे अब पूरे परिवार के लिए आम आसानी से खरीद पा रहे हैं।

केला-पपीता स्थिर, लेकिन आम ने मारी बाज़ी-जहां सेब और अनार महंगे हो गए हैं, वहीं केले और पपीते जैसे फल अपेक्षाकृत स्थिर कीमत पर बिक रहे हैं। केले 30 से 40 रुपये दर्जन तथा पपीता 20 से 25 रुपये किलो की दर से मिल रहा है। लेकिन आम की कीमतों में गिरावट और स्वाद की विविधता ने इन फलों को भी पीछे छोड़ दिया है। बाजार में अब आम को लेकर ग्राहकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

फुटकर और थोक दामों में अंतर-फलों के थोक विक्रेता संतोष गुप्ता के अनुसार, फुटकर दुकानदार मंडी से फल खरीदकर उसमें परिवहन, रख-रखाव और लाभ जोड़कर बेचते हैं, जिसके कारण मंडी और फुटकर बाजार के दामों में 10 से 20 रुपए प्रति किलो तक का अंतर होता है। उन्होंने ग्राहकों को सलाह दी कि यदि संभव हो, तो मंडी से सीधी खरीदारी कर वे अधिक लाभ उठा सकते हैं।

महंगाई के बीच आम बना जनता का फल-जहां एक ओर बारिश ने कई फलों की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, वहीं आम की अधिक उपलब्धता ने ग्राहकों को राहत दी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस समय आम वाकई ÷आम÷ आदमी का फल बन गया है। आने वाले दिनों में मौसम और आवक की स्थिति के अनुसार फलों की कीमतों में और उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन फिलहाल आम जनता को 'आम' में ही मिठास मिल रही है।

आरबीसी में प्रावधानित प्रकरणों में एक सप्ताह के भीतर किया जाए राहत राशि का वितरण : कलेक्टर

विजय मत, शहडोल

राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व पुस्तक परिपत्र में प्रावधानित नियमों के अनुसार प्रभावित परिवारों को राजस्व अधिकारी एक सप्ताह के भीतर राहत राशि का वितरण सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह, सीईओ जिला पंचायत नरेंन्द्र सिंह, एसडीएम जैतपुर मती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, श्रीमती ज्योति परस्ते तथा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने राजस्व से संबंधित रिकार्ड सुधार, सीमांकन, अतिक्रमण के प्रकरणों, डायवर्सन, नामांतरण, राजस्व वसूली, खजिन आरआरसी के प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। वरिष्ठ कार्यालयों से चाहे गए प्रतिवेदनों की जानकारी भी समय-सीमा में प्रेषित कर दी जाए। राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी नियमित रूप से न्यायालयों में बैठकर प्रकरणों का निराकरण करें। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों का भी सतत रूप से भ्रमण करें। बैठक में कलेक्टर द्वारा तामीली प्रक्रिया तथा राजस्व रिकार्ड सुधार की विस्तार से जानकारी दी।

यूज़ इन शॉर्ट

नगर पालिका द्वारा किया गया वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

सीधी। नगर पालिका सीधी अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्राट चौराहा से जिला पंचायत तक तथा अमाह तालाब में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती काजल वर्मा उपस्थित रहीं। वहीं सीएमओ मिनी अग्रवाल सहित वार्ड पार्षदों में वार्ड 5 पार्षद आनंद परियाणी, वार्ड 13 पार्षद कुमुदनी सिंह, वार्ड 14 पार्षद रजनीश श्रीवास्तव, वार्ड 23 पार्षद, विभा सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी विनोद वर्मा, जय सिंह, गणमान्य नागरिक सीधी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। नगर पालिका के समस्त अधिकारी कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और लगभग 1000 पौधे लगाए गए। मालूम हो कि यह अभियान नगर पालिका द्वारा लगातार चलाया जाएगा। जिसके तहत हर वार्डों में विशेष अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम रखने का लक्ष्य दिया गया है।

24 घंटे में जिले में 29.2 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 29.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 34.2 मिमी, कोतमा में 53 मिमी, बिजुरी में 11.2 मिमी, जैतहरी में 14 मिमी, वेंकटनगर में 32.9 मिमी, पुष्पराजगढ़ में 28.4 मिमी, अमरकंटक में 28 मिमी तथा बेनीबारी में 32.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 30 जून को

अनूपपुर। आगामी त्योहार 6 जुलाई को मोहर्रम के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में 30 जून की शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने सर्व संबंधितों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है।

करगिल में मिले मगरमच्छ का हुआ रेस्क्यू

सीधी। जिला मुख्यालय के समीपी करगिल गांव में आज सुबह नन्हे मगरमच्छ के दिखने से लोगों में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर सोन घड़ियाल अभ्यारण्य की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू करते हुए सुरक्षित सोन नदी में छोड़ा गया। स्थानीय लल्लू यादव ने बताया कि आज सुबह करीब 10 बजे आदिवासी बस्ती के समीप खेल रहे कुछ बच्चों ने नन्हे मगरमच्छ को देखकर हल्ला गोहार मचाया। जिसके बाद उनके साथ ही अन्य ग्रामीण जन मौके पर पहुंचे और सोन घड़ियाल अभ्यारण्य को सूचना दी गई। दोपहर करीब 12 बजे सोन घड़ियाल की टीम रेस्क्यू करने के लिए मौके पर पहुंची। रेस्क्यू किया गया नन्हा घड़ियाल करीब 4 फिट लंबा था। लल्लू यादव ने बताया कि बरसात के दिनों में नकटा नाला में रहने वाले मगरमच्छों के चलते यहां भटकते हुए मगरमच्छ आते रहते हैं। इस वजह से बरसात और ठंड के दिनों में यहां के ग्रामीणों में मगरमच्छ को लेकर ज्यादा दहशत रहती है।

जिले में बीते 24 घंटे में 8.3 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे में 8.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 6.1 मिमी, मानपुर में 26.5 मिमी, पाली में 4.8 मिमी, नौरोजाबाद में 3.6 मिमी, चंदिया में 2.4 मिमी, करकेली में 10.9 मिमी ,बिलासपुर में 3.5 मिमी वर्षा शामिल है। जिले में 1 जून से लेकर आज दिनांक तक 139.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ में 178.7 मिमी, मानपुर में 66.3 मिमी, पाली में 117.4 मिमी, नौरोजाबाद में 131.6 मिमी, चंदिया में 150.4 मिमी, करकेली में 145.4 मिमी, बिलासपुर में 189.4 मिमी वर्षा शामिल है , जबकि गत इसी अवधि तक 22.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जिसमें बांधवगढ मे 30 मिमी, मानपुर में 18.7 मिमी, पाली में 10 मिमी, नौरोजाबाद में 66.6 मिमी, चंदिया में 17.4 मिमी, करकेली में 5.8 मिमी ,बिलासपुर में 9 मिमी वर्षा शामिल है ।

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड इम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव आज

रीवा। शासन के सूक्ष्मए लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 27 जून को मोहन सभागार में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड इम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे आरंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का रतलाम से वर्चुअली उद्बोधन होगा। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनव ? ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यक्रम के लिए संपूर्ण व्यवस्थाएं तथा उद्यमियों की भागीदारी के लिए कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी यूके तिवारी को प्रभारी बनाया गया है। अग्रणी बैंक प्रबंधक को बैंको से स्वरोजगार योजनाओं के ऋण प्रकरण स्वीकृत कराकर कार्यक्रम में वितरण के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रबंधक ग्रामीण आजीविका परियोजना को स्वसहायता समूहों की कार्यक्रम में भागीदारी एवं पाँच हितग्राहियों को हितलाभ वितरण की जिम्मेदारी दी गई है।

1-10 वीं तक की कक्षाओं के लिए मात्र दो शिक्षक, वो भी प्राथमिक के 2016-17 में हुआ था उन्नयन

8 वर्ष बिना शिक्षक व शिक्षा गुजर गई हाईस्कूल की कक्षाएं, आजतक किसी की नहीं हुई पदस्थापना

विजय मत, अनूपपुर/भालूमाड़ा

शिक्षा विभाग के जिम्मेदार जिले की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों पर भले ही क्यों न अपनी पीठ थपथपाए, लेकिन शिक्षा का स्तर न्यून है से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि जिले में जिस स्तर से स्कूलों का उन्नयनीकरण हुआ, उस गति से जिम्मेदारों ने शिक्षकों की पदस्थापना नहीं की। दर्जनों ऐसे स्कूल हैं जहां कक्षाओं से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं, तो कहीं कक्षाओं के अनुपात से भी कम शिक्षक है। इन्हीं स्कूलों में जिले का शासकीय हाईस्कूल भालूमाड़ा एक उदाहरण है, जिसके उन्नयन के बाद आजतक न तो शिक्षक की पदस्थापना हुई और ना ही हाईस्कूल की कक्षाएं संचालित हुई। यह हाईस्कूल पिछले 8 वर्षो के दौरान बिना शिक्षक और शिक्षा संचालित हुआ। यहां पढने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में शिक्षा से सम्बंधित तीनों विभाग के अधिकारियों के साथ जिला प्रशासन भी उतना ही दोषी माना जा सकता है? यह तो जांच का विषय है कि आखिर यहां बिना शिक्षक के कक्षाओं का संचालन और बच्चों की उपस्थिति कैसे लगी। बच्चों के बोर्ड परीक्षाओं का तैयारिया कैसे कराइ गइ? क्या यहा सबकुछ हवा हवाई कागजों पर शासन-प्रशासन को भ्रामक जानकारियां दी गई? क्या जिला प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं थी? यह तो सरासर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ रहा?

दरअसल 1955 से प्राथमिक स्कूल के रूप में संचालित हुई और बाद में माध्यमिक कक्षाओं के साथ शासकीय माध्यमिक स्कूल भालूमाड़ा का संचालन हो रहा था। लेकिन यहा हाइस्कूल जैसी कोई भी संस्था नहीं थी, जिसके कारण विद्यार्थियों को 10 किलोमीटर दूर कोतमा या दारसागर जाना पड़ता है। इसे देखते हुए शासन स्तर पर हाईस्कूल के लिए इसी शासकीय माध्यमिक स्कूल भालूमाड़ा का उन्नयन शासकीय हाईस्कूल भालूमाड़ा में किया गया था। लेकिन यहां भी जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

10 कक्षाओं के लिए मात्र 2 प्राथमिक शिक्षक

1 जुलाई से सरकारी स्कूलों में स्कूल चले अभियान प्रारंभ हो जाएगा, जहां स्कूलों का नया सत्र संचालित होगा। लेकिन भालूमाड़ा हाईस्कूल को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। क्योंकि शासकीय हाईस्कूल भालूमाड़ा में कक्षा 1 से 10 तक की 10 कक्षाओं के लिए वर्तमान में प्राथमिक स्कूल के दो शिक्षक पदस्थ है। मिडिल स्कूल के लिए यहां उपलब्ध रही 1 शिक्षिका का रिटायरमेंट हो गया है, वहीं कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए कभी शिक्षक ही पदस्थ नहीं हो सके। यानी अब 10 कक्षाओं की जिम्मेदारी मात्र 2 शिक्षकों पर हैं। यहां बच्चों का नामांकरण के साथ विभागीय जानकारी का काम और कक्षाओं में मौजूद बच्चों को कैसे पढ़ाया जाए चिंता का विषय बना हुआ है।

सरकारी सिस्टम की उदासीनता या अनदेखी

भालूमाड़ा में कुछ निजी स्कूल भी हैं, जहां हाईस्कूल तक की शिक्षा मुहैया कराई जाती है, लेकिन गरीब बच्चों के लिए यह संस्थान उनकी जेबों पर भारी है। जिसके कारण भालूमाड़ा हाईस्कूल ही ऐसे बच्चों के उच्च शिक्षा का एक मात्र स्थली है। बावजूद इसे सरकारी सिस्टम की उदासीनता कहा जाय या अनदेखी कि 8 साल पहले जिस माध्यमिक स्कूल को हाई स्कूल में उन्नयन किया गया, वहां अब तक एक भी शिक्षक का पद स्वीकृत क्यों नहीं किया गया है। ना ही शासकीय भवन का निर्माण कराया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कहीं भालूमाडा हाई स्कूल को बंद करने का खेल तो नहीं है। जब 8 साल पहले स्कूल का उन्नयन हुआ, कक्षा 9-10 की कक्षाएं संचालित हुई और बच्चे 9वीं,10वीं की परीक्षा पास होकर दूसरी स्कूलों में जा रहे हैं। तो फिर सवाल उठता है कि पिछले 7 सालों में जिस स्कूल में शिक्षक नहीं है उस स्कूल के बच्चे कैसे अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं? नगरवासियों ने स्कूल की सुध लेने कलेक्टर हर्षल पंचोली को स्कूल पहुंचकर बच्चों से वास्तविकता जानने की अपील की है।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आज, कराया जाएगा नगर भ्रमण

विजय मत, कोतमा

शुक्रवार को श्री आदि शक्ति पंचायती मंदिर स्टेशन चौक के पास से भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलदाऊ की रथ यात्रा धूमधाम से नगर भ्रमण के लिए निकली जाएगी। मंदिर समिति ने बताया कि भक्तों के दर्शन के लिए शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से रथ यात्रा रेलवे मार्केट स्टेशन चौक से गांधी चौक होकर नगर के मुख्य मार्गो में भ्रमण करने के बाद वापस मंदिर पहुंचेगी। रथ को सभी श्रद्धालुओं द्वारा हाथ से खींचा जाएगा।भक्तों के द्वारा जगह-जगह आरती उतारते हुए पुष्प वर्ष एवं स्वागत किया जाएगा। मंदिर में रथ यात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। विदित रहे कि नगर में भव्यता के साथ हर वर्ष की तरह इस तरह भी हर्षोल्लाह के साथ विशाल जनसमूह के द्वारा विभिन्न मार्गो से निकाली जाएगी।मंदिर समिति ने सभी भक्तों से रथ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है। भगवान को विशेष प्रकार के मीठे चावल का भोग लगाया जाएगा एवं बाहर से आए वस्त्रों न से श्रृंगार किया जाएगा।

विधायक, कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत ने किया गया पौधरोपण

उमारिया। प्रदेश शासन के आव्हान पर जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर अमृत सरोवर तामान्नारा में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने पौधरोपण किया तथा उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया । विधायक बांधवगढ़ ने कहा कि पौध रोपण हमारी संस्ति रही है। प्राचीन काल से ही समाज द्वारा बाग बगीचे लगाए जाते थे, और इसे पुण्य का काम मानते थे। रोपित पौध की सुरक्षा अपनी संतान की तरह करते थे। समाज मिलकर फलदार पौधों का संस्कार भी करते थे। इस प्राचीन परंपरा का हम सबको को निर्वहन करना चाहिए, केवल पौध रोपण ही हमारा दायित्व नही है, बल्कि उनका संरक्षण एवं संवर्धन करने की स्वयं प्रतिज्ञा लेनी चाहिये।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पुष्पराजगढ़ एवं जैतहरी के जल दूतों का प्रशिक्षण

विजय मत, अनूपपुर

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह के पूर्व जल दूतों का प्रशिक्षण आयोजित किए जाने के राज्य शासन के दिशा- निर्देशों के अनुरूप विकासखंड पुष्पराजगढ़ एवं जैतहरी के जल दूतो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा पंजीकृत जलदूत को विकासखंड स्तर पर निर्धारित मॉड्यूल अनुसार प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जलदूत की सहभागिता को क्यूआर कोड के माध्यम से सुनिश्चित किया गया। प्रशिक्षित जल दूतो को जिला स्तर से मुद्रित प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जल दूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 25 जून को पुष्पराजगढ़ में 26 जून को जैतहरी विकास खंड में जलदूत प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर रावेन्द्र सिंह आर्या एवं विनोद तिवारी द्वारा प्रशिक्षण पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया।

संविधान विरोधी भाजपा प्रतिदिन कर रही है संविधान और लोकतंत्र की हत्या- प्रदीप सिंह दीपू

विजय मत, सीधी

भाजपा जिस तरह से 1975 में देश के राष्ट्रपति द्वारा घोषित किए गए राष्ट्रीय आपातकाल को लेकर नाटक नौटंकी कर रही है वह पूरी तरह से जनता का ध्यान भटकने के प्रयास के अलावा कुछ भी नहीं है। भाजपा आज आपातकाल की आड़ में अपने कुकर्मो को छुपाने का काम कर रही है। यह बात मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संभागीय प्रवक्ता प्रदीप सिंह दीपू ने जारी एक बयान में कही है। प्रदीप सिंह दीपू ने कहा कि भाजपा को जवाब देना चाहिए कि क्या वह खुद आज लोकतंत्र की कसौटी पर खरी उतर रही है। भाजपा की तानाशाही नीतियों के सामने आपातकाल की बहस आज पूरी तरह से बेमानी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर आरोप लगाने वाली संविधान और लोकतंत्र विरोधी भाजपा ने पिछले 11 साल के अपने शासन में प्रतिदिन संविधान एवं लोकतंत्र की हत्या करने का पाप किया है। चुनाव आयोग से लेकर जांच एजेंसियों तक को अपने राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा शासन में विपक्ष के नेताओं को झूठे और मनगढ़ंत मामलों में असंवैधानिक तरीके से जेल में डाला गया है ।मीडिया पर दबाव बनाया जा रहा है। स्वतंत्र पत्रकारो को डराया और धमकाया जा रहा है। ईडी सीबीआई आईटी जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसियां भाजपा की कठपुतली बन गई है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पर भी निषेधाज्ञा और बल प्रयोग कर लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों का गला घोट जा रहा है। कांग्रेस नेता प्रदीप सिंह ने कहा कि भाजपा ने आज आपातकाल का रोना रोकर खुद संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बना दिया है न्यायपालिका पर दबाव बनाने की नापाक कोशिश हो रही है। मीडिया पर पूरी तरह से अंकुश लगा दिया है। भाजपा द्वारा देश में पिछले 11 साल से अघोषित रूप से आपातकाल लागू करके प्रतिदिन संविधान की आत्मा का गला घोटने का पाप किया जा रहा है। तानाशाही एवं तुगलकी की फरमानों से देश की जनता को सताया जा रहा है। चाहे नोटबंदी हो, चाहे किसान विरोधी तीन काले कानून हो,चाऐ मणिपुर का नरसंहार हो, चाहे पेपर लीक के मामले हो,चाऐ अदानी के घोटाले के मामले हों भाजपा हर असफलता को राष्ट्रवाद की चादर से ढकने की घिनौनी कोशिश करती रही है। लेकिन आज तक अपनी किसी गलती को स्वीकार नहीं कर रही है।

9 वर्ष से लापता किशोरी को पुलिस ने किया दस्तयाब

सीधी। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा 9 वर्षों से लापता एक किशोरी को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया है। 7 मई 2016 को थाना कोतवाली में एक परिजन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि जब वे सुबह जंगल गए थे और शाम को लौटे, तब उनकी बड़ी पुत्री घर में नहीं मिली। परिजनों द्वारा आसपास व रिश्तेदारों में काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। विवेचना के दौरान जब अपहृता का कोई सुराग नहीं मिला तब पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा उसकी पतासाजी हेतु 10 हजार का ईनाम भी घोषित किया गया था। लगातार तकनीकी एवं पारंपरिक पुलिसिंग के माध्यम से खोज जारी रही। अंततः दिनांक 26 जून 2025 को पुलिस को सफलता प्राप्त हुई ।

दो बाइकों की टक्कर में तीन की मौत

तीन गंभीर, कुसमी थाना के दुआरी में हुआ भीषण सडक़ हादसा

विजय मत, सीधी

जिले के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम दुआरी में एक दर्दनाक सडक़ हादसे ने तीन परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। दो बाईकों की आमने-सामने से हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो सगे भाइयों के साथ दूसरी बाइक का सवार भी शामिल हैं। सगे भाइयों के साथ बाइक में सवार 12 वर्षीय बहन आईसीयू में जिंदगी की जंग लड़ रही है। यह हादसा उस समय हुआ जब धूपगढ़ गांव निवासी सगे भाई अजीत सिंह पिता शिवराम सिंह 22 वर्ष और हीरालाल सिंह 24 वर्ष अपनी 12 वर्षीय फुफेरी बहन छोटी सिंह को ननिहाल से उसके गांव भरसेड़ी छोडने जा रहे थे। लेकिन यह यात्रा उनकी जिंदगी की आखिरी यात्रा बन गई। बुधवार शाम करीब 5-30 बजे रास्ते में जैसे ही उनकी बाइक ग्राम दुआरी के पास पहुंची, सामने से आ रही एक अन्य बाइक से जोरदार आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अन्य बाइक सवार विजय बहादुर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हीरालाल सिंह ने रीवा ले जाते समय दम तोड़ दिया और अजीत सिंह की जिला अस्पताल मे मौत हो गई है। दोनों भाइयों की असमय मौत से धूपगढ़ गांव में मातम पसरा है। हादसे में उनके साथ बैठी बहन छोटी सिंह भी गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे तुरंत सीधी जिला अस्पताल लाया गया, जहां से हालत बिगडने पर आईसीयू में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है और वह जिंदगी से संघर्ष कर रही है। वहीं दूसरी बाइक पर सवार डुहकुरिया गांव निवासी नीरज सिंह, ईश्वर सिंह और विजय बहादुर सिंह कुसमी तहसील से जाति प्रमाण पत्र बनवाकर लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ। टक्कर में विजय बहादुर सिंह पिता राम बहादुर सिंह 27 वर्ष की मौके पर मौत हो गई, जबकि नीरज और ईश्वर घायल हुए। दोनों का इलाज जारी है, जिसमें ईश्वर सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। कुसमी थाना प्रभारी कप्तान सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

जागरूकता कार्यक्रम

नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण सहित साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

पचखुरा गांव पहुंचे डीआईजी व पुलिस अधीक्षक, लोगों की सुनी समस्याएं

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा जनपद के पचकुरा में गुरूवार को आयोजित जन चौपाल में शहडोल रेंज डीआईजी सविता सोहने ने लोगों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गांव में आने वाले प्रत्येक बाहरी व्यक्ति की जानकारी थाने में जरूर दें। बेटे-बेटियों को पढने एवं आगे बढने के अवसर दें, उनकी मॉनिटरिंग करें, वे कैसे लडक़ों से दोस्ती करती हैं, कहां जाती हैं, इसकी जानकारी जरूर हो, जिससे हम अपने बच्चों को नशा जैसी प्रवृत्तियों के साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने से बचा सके। साथ ही बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं अपना समय पढ़ाई एवं कैरियर निर्माण में लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर बढ़ती सडक़ दुर्घटना वर्तमान की एक गंभीर चुनौती बताते हुए सतर्कता के साथ वाहन चलाने, हेलमेट का प्रयोग पर जोर दिया। अभिभावकों से परिवार का ध्यान रखते हुए उसे जोड़े रखने और बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया। वहीं पुलिस कप्तान मोतिउर रहमान ने बच्चियों को आगे बढने, पढ़ाई लिखाई के अवसर के साथ पैरों पर खड़े होने, कैरियर निर्माण पर जोर दिया। साथ ही ग्राम एवं नगर रक्षा समिति को पुन-एक्टिव रहने और अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को तत्काल देने की जानकारी दी। एडीपीओ कोतमा राज गौरव तिवारी ने नए कानून में पीड़ितों के लिए प्रावधानों की जानकारी दी।

यातायात नियमों साथ राहवीर योजना की जानकारी

यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा सडक़ सुरक्षा पर जानकारी दी गई, जिसमें पूरी सतर्कता से वाहन चलाने, तेज गति व शराब के नशे में वाहन नहीं चलाने, ब्रेकिंग डिस्टेंस बनाए रखने, राइट साइड से ओवरटेक करने, हेलमेट का प्रयोग, सीट बेल्ट का उपयोग सहित अन्य जानकारियां दी। साथ ही सडक़-परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे राहवीर योजना की जानकारी देते हुए सडक़ दुर्घटना में मृत्यु को रोकने एवं घायल को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य आमजन की सहभागिता बढ़ाने सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचने की अपील की। ताकि घायल की जान बचाई जा सके। इस काम में बचाने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से 25000 नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

विजय मत
राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com
भोपाल, शुक्रवार 27 जून 2025

ऋषभ 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इससे ऋषभ अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गये हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार ऋषभ 800 रेटिंग अंक के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की सहायता से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की

मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 पहुंच गया। वहीं पहले टेस्ट में एक शतक और अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। वह पांच स्थान ऊपर आकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग भी बेहतर हुई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 889 रेटिंग अंक हासिल कर नंबर एक पर हैं। वहीं हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के ओली पोप तीन स्थान ऊपर आकर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों की रैंकिंग बेहतर हुई है। शुभमन मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच स्थान के लाभ के साथ ही 20वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं गाले में 163 रन की पारी खेलने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान ऊपर आकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शांतो इसी मैच में दो शतक लगाने के बाद 21 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। खेली। रहीम टेस्ट टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट लेने के कारण नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप फाइनल में विराट नहीं अक्षर की पारी से पलटा मैच: रोहित

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि विश्वकप फाइनल में विराट कोहली ने काफी अच्छी पारी खेली थी पर मैच को पलटने में अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही है। भारतीय टीम ने पिछले साल हुए टी20 विश्वकप खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल के बाद खिताब जीता था।

रोहित ने विश्वकप फाइनल को लेकर, 'बहुत से लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं करते

पर मेरा मानना है कि अक्षर की 31 गेंदों पर 47 रनों की पारी से ही मैच भारतीय टीम के पाले में आया।' रोहित ने इस मैच में एक छोर संभाले रखने के लिए विराट की भी प्रशंसा की। रोहित ने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो विकेट पर टिका रहे। विराट ने उस काम को काफी अच्छे से निभाया। विराट की ठोस बल्लेबाजी के कारण ही शिवम, अक्षर, हार्दिक को तेजी से खेलने का अवसर मिला

इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए थे। इसमें विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाये। वहीं अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 और शिवम दूबे ने 16 गेंद में 27 रन बनाए थे। इन तीनों के अलावा भारत का कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया था।

नासिर हुसैन ने शुभमन की कप्तानी पर उठाये सवाल

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल पर सवाल उठाये हैं। हुसैन ने कहा कि जिस प्रकार की बात विराट कोहली और रोहित शर्मा की कप्तानी में थी। वो बात शुभमन में नहीं दिखी। इसी कारण टीम पांच शतक लगाने के बाद भी हार गयी। उन्होंने ये भी कहा कि गिल की कप्तानी में नियंत्रण की कमी नजर आयी। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें इस बात पर हैरानी हुई कि शुभमन या किसी भी सीनियर खिलाड़ी ने खुरदरी पिच को लेकर स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से बात नहीं की। उन्होंने कहा, जडेजा से एक बार भी बात नहीं की, शायद एक युवा कप्तान के रूप में संभव नहीं था कि वे अनुभवी स्पिनर के पास जाएं और कहें कि रफ (खुरदरी पिच) है वहां किस प्रकार की गेंदबाजी की जाये।

नासिर ने कहा कि भारतीय टीम को हार्दिक पांड्या जैसे ऑलराउंडर की भी खिलाड़ी की जरूरत है, जो तेज गेंदबाजी करे और रन भी बनाए। टीम प्रबंधन ने इंग्लैंड में नितीश कुमार रेड्डी पर भरोसा किया पर शामिल किया शार्दुल ठाकुर को पर इसका लाभ टीम को नहीं मिला। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, स्लिप कॉर्डन और कैचिंग खराब थी, कुछ ऐसा जो भारत ने पिछले दो या तीन सालों में अच्छा किया है। यह मुझे चिंतित करता है, क्योंकि भारत के पास स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के साथ एक निचला क्रम है और पिछले एक दशक से शानदार रहा है।

बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए आराम देना सही नहीं : शास्त्री

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम नहीं दिया जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच हारने से सीरीज में पिछड़ गयी है। पहले टेस्ट में बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज विरोधी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे। ऐसे में अगर वह नहीं उतरे तो दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत पहला मैच हार चुका है और इस सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि बुमराह को केवल तीन मैचों में ही उतारा जाएगा ताकि उनपर अधिक बोझ नहीं पड़े। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी कहना है कि बुमारह को वह अधिक मैच खेलने को नहीं

करेंगे। वह पहले की तरह ही पांच में से तीन मैच खेलेंगे। ऐसे में दूसरे टेस्ट से बुमराह बाहर बैठ सकते हैं पर शास्त्री इस रणनीति को सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ऐसे में टीम 2-0 से पीछे हो जाएगी।

शास्त्री ने कहा, बुमराह ने कहा कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अब, वह तीनों में से कौन सा खेलेंगे, यह एक और सवाल है जिसे पूछा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर वह दूसरे मैच में आराम करते हैं तो वह निश्चित रूप से लॉर्ड्स में उतरेंगे। इसके बाद वह अगले मैच में आराम करेंगे और फिर मैनचेस्टर में उतरेंगे। इसी दौरान टीम के 2-0 से पीछे होने का खतरा है। इसी को देखते हुए उन्हें खेलना होगा।

शास्त्री ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतकर वापसी करनी होगी क्योंकि इससे पहले टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली दो टेस्ट सीरीज हारी है। स्त्री ने कहा, यह काम कठिन होगा क्योंकि मैं अभी कमेंट्री बॉक्स में उसे बता रहा था कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हारे थे, ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हार गए और ऐसे में अब यह एक कठिन सीरीज रहेगी। इसमें आपके पास एक कदम आगे जाने का अवसर था क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने से मेजबानों की गेंदबाजी कमजोर है इस अवसर का भारतीय टीम को लाभ उठाना चाहिये।

फुटबॉल

अमेरिका में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए उरावा रेड डायमंड व सीएफ मोंटेरी क्लब के खिलाड़ी।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी।

बिजनेस

सोने के भाव 97,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.06 लाख रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 243 रुपये की तेजी के साथ 97,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,357 रुपये था। इस समय यह 123 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 425 रुपये की तेजी के साथ 1,06,405 रुपये पर खुला।

रिपोर्ट: भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर पर पहुंचेगा

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो देश में एक ट्रिलियन डॉलर के डिजिटल अवसर में अहम योगदान देगा। यह जानकारी ताजा रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में कहा कि आबादी के एक महत्वपूर्ण और बढ़ते हिस्से के लिए भारतीय खुदरा परिदृश्य के भीतर एक प्रमुख शक्ति के रूप में खुद को मजबूती से स्थापित कर चुका है। भारत 1 ट्रिलियन डॉलर का डिजिटल अवसर प्रस्तुत करता है। पिछले दशक में कई उपभोक्ता बाजारों, प्लेटफॉर्म और न्यू-एज ब्रांडों का उदय उभरते भारत की बढ़ती आकांक्षाओं का प्रमाण है। इंटरनेट की पहुंच, जनसांख्यिकी में बदलाव और नीतिगत बदलावों का एक साथ आना उन रुझानों में से हैं, जिन्होंने नए युग की उपभोक्ता कंपनियों को आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर यह कॉमर्स मार्केटप्लेस, कंटेंट प्लेटफॉर्म और बदलती उपभोक्ता आकांक्षाओं का विकास है, जो नई कंपनियों को भारतीय संदर्भ में जीतने में मदद करता है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रही: आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के मुताबिक मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि हुई। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। घरेलू मोर्चे पर मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी।

मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। पीएमआई के लिए

सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था।

मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती दिखाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें उछाल देखने को मिला।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि हालांकि अप्रैल में ऋण वृद्धि में कमी आई, खास तौर पर कृषि और सेवा क्षेत्रों में लेकिन गैर-बैंक ऋण स्रोतों, जिसमें बाहरी वाणिज्यिक उधार शामिल है इसमें लगातार अच्छी वृद्धि जारी रही, हालांकि मार्च से इसमें नरमी आई। कुल मिलाकर, वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी रहीं।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1000 अंक ऊपर आया निफ्टी 25,549 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए।

कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की

गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें बढ़त रही। इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे दुनिया भर के साथ ही भारतीय बाजार में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी और एमएंडएम के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में बढ़त रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 82,882.92 पर खुला। खुलते ही बाजार में खरीदारी देखने को मिली जिससे इंडेक्स में बढ़त और बढ़ गई। यह 242.79 अंक की बढ़त लेकर 82,998.30 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ हरे निशान में खुलकर 95.80 अंक की बढ़त के साथ 25,340.55 पर कारोबार कर रहा था।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

- अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमते सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकाइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में

गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही। देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयां भी इसकी मुख्य वजह रही। युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 37 पैसे बढ़कर 85.71पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है।

कौशल, विकास और उद्यमशीलता के स्वर्णिम पथ पर मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव

RISE शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

27 जून 2025 । प्रातः 11:00 बजे । पोलो ग्राउंड, रतलाम

प्रमुख आकर्षण

- ₹ 2012 करोड़ से अधिक लागत की 94 औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का भूमिपूजन/लोकार्पण
- 288 एमएसएमई इकाइयों के लिए ₹ 270 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का वितरण
- 140 वृहद औद्योगिक इकाइयों को ₹ 425 करोड़ की वित्तीय सहायता का वितरण
- 538 एमएसएमई इकाइयों को भू-खंड आवंटन पत्र वितरण
- ₹ 6000 करोड़ से अधिक निवेश करने व 17600 से अधिक रोज़गार देने वाली 35 वृहद औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन हेतु आशय पत्र वितरण
- 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोज़गार के लिए ₹ 3861 करोड़ का ऋण वितरण
- थीमैटिक सेशन
- वन-टू-वन मीटिंग
- एमओयू एक्सचेंज
- प्रदर्शनी

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी
- जेम्स एंड ज्वेलरी
- नवीकरणीय ऊर्जा
- फार्मा, बायोटेक, रसायन
- लॉजिस्टिक्स
- पर्यटन एवं टेक्सटाइल

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11054/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025